भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-307 ● भोपाल ● बुधवार, 11 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।



10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार

देश में जबलपुर ने पाया दूसरा स्थान, आज दिल्ली में राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित



मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी

जबलपुर, यशभारत / देश भर में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कार के मामले में जबलपुर ने बाजी मारते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी विशिष्टता साबित की है। यह पुरस्कार आज शाम नई दिल्ली के एक गरिमामय समारोह में जबलपुर के महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर रामप्रसाद अहिरवार एवं वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार सहित पूरी टीम ने प्राप्त करेगी।





देश भर के 4,909 शहरों ने स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों के लिये अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी। जिसमें मध्य प्रदेश के कई शहरों ने अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार प्राप्त किये हैं। स्वच्छता के नये प्रमुख शहरों (जिनकी आबादी 10 लाख से अधिक है), में जहां विशाखापट्टनम ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं जबलपुर इस प्रमुख वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहा। इससे पूर्व इतना उच्च पुरस्कार जबलपुर के खाते में नहीं आया था। लखनऊ जैसा महानगर इस कैटेगरी में जबलपुर से पिछड़ कर तीसरे स्थान पर रहा।

म.प्र. के अन्य शहर इंदौर, भोपाल, देवास, उज्जैन, बुधनी, ग्वालियर, रीवा व सागर ने भी अन्य कैटेगरी से पुरस्कार प्राप्त किये हैं। इन शहरों की टीमों को आज दिल्ली में मध्यप्रदेश हाउस में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बधाई दी।इस गरिमामय पुरस्कार को प्राप्त करने के लिये महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन महापौर रामप्रसाद अहिरवार, वर्तमान कमिश्नर अग्रिम कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम नई दिल्ली पहुंच रही है। जहां महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह पुरस्कार प्रदान करेगी। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री के साथ-साथ जबलपुर के सभी गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है।

गुवाहाटी के पास बड़ा रेल हादसा, कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतरे, कई यात्री घायल

गुवाहाटी, एजेंसी। *असम में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में डिगारू रेलवे स्टेशन के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की सूचना है। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने फिलहाल किसी की मौत की पुष्टि नहीं की है। घायलों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर आधिकारिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।*



रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह करीब 6 बजकर 54 मिनट पर हुआ। मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही एक्सप्रेस ट्रेन डिगारू स्टेशन के पास पहुंची थी, तभी उसके छह कोच और इंजन पटरी से उतर गए। अचानक हुए इस हादसे के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि सुबह 6:54 बजे ट्रेन के छह डिब्बे पटरी से उतरे। रेलवे की टीमें घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का आकलन कर रही हैं। हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की जानकारी मिली है। घायलों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए रेलवे और स्थानीय प्रशासन के स्तर पर इंतजाम किए जा रहे हैं। हादसे के कारण इस रेल मार्ग पर परिचालन प्रभावित होने की आशंका है। रेलवे कर्मचारी दुर्घटनाग्रस्त डिब्बों को हटाने और ट्रैक को दुरुस्त करने में जुटे हैं, ताकि रेल यातायात जल्द सामान्य किया जा सके। फिलहाल दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रेलवे ने हादसे की परिस्थितियों की विस्तृत जांच किए जाने की बात कही है। राहत और बहाली अभियान जारी है तथा दुर्घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

29 अक्टूबर- असम में पैसेंजर ट्रेन के इंजन की ट्रॉली पटरी से उतरी- असम के लुमडिंग-बदरपुर पहाड़ी रेलखंड में सिलचर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के इंजन की आगे की ट्रॉली पटरी से उतर गई थी। नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे (ह्लस्रञ्ज) के मुताबिक, घटना सुबह करीब 8:50 बजे बदरपुर और सुकरितिपुर स्टेशनों के बीच हुई थी। हादसे में किसी यात्री के घायल होने या मौत की खबर नहीं है।

20 दिसंबर 2025- असम में राजधानी एक्सप्रेस के 5 डिब्बे-इंजन पटरी से उतरे, ट्रेन से टकराने पर 7 हाथियों की मौत- असम के होजाई जिले में हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया था। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई थी और एक हाथी का बच्चा घायल हुआ था। हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए थे।

प्रियांक खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत, आरएसएस पर भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप

बेंगलुरु,ईएमएस। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ बेंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। उन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बिहार और हरियाणा में जिंदा कारतूस बरामद होने की घटनाओं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जोड़कर कथित तौर पर गलत और भ्रामक जानकारी प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मंत्री की ओर से साझा की गई जानकारी तथ्यों के विपरीत है और इससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के साथ ही लोगों को भड़काने की आशंका है। शिकायत में मामले में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही कहा गया है कि गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद पर होने के बावजूद प्रियांक खड़गे को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

पित्रोदा बोले- चुनाव आयोग से लोगों का भरोसा खत्म, राहुल उठा रहे जनता के मुद्दे

नई दिल्ली,ईएमएस। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारत के चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों का आयोग पर भरोसा खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बुनियाद विश्वास पर टिकी होती है और यदि चुनावों में हेराफेरी होती है तो उनके परिणामों की वैधता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पित्रोदा ने इस संकट का संवैधानिक तरीके से समाधान निकालने की बात कही और सुप्रीम कोर्ट से ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच करने की मांग की। उन्होंने विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों को भी झूठा बताया। पित्रोदा के मुताबिक राहुल गांधी युवाओं, गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने नीट और पेपर लीक के मामलों का हवाला देते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट तथा सरकार की ओर से प्रभावी समाधान नहीं दिए जाने पर भी सवाल उठाए।

यूपी के 15 शहरों में घना कोहरा, दिल्ली की हवा बेहद खराब, बिहार में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिवाली के बाद से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में कोहरा और धुंध का असर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह संभल, हापुड़, बिजनौर और शामली समेत प्रदेश के 15 शहर घने कोहरे की चपेट में रहे। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हरदोई में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री और बरेली में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये प्रदेश के सबसे ठंडे शहरों में रहे। बिहार में मौसम का मिला-जुला रुख बना हुआ है। सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस हो रही है, जबकि दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने जमुई, मुंगेर और बांका समेत पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में मौसम बदलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने चिंता बढ़ा दी है। बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 322 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

फूलों से सजा गंगोत्री धाम शीतकाल के लिए बंद हुए कपाट

सेना के बैंड की धुन के साथ मुखबा के लिए रवाना हुई मां गंगा की डोली, छह महीने वहीं होगी पूजा-अर्चना



गंगोत्री, यशभारत। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को पांच क्विंटल फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर के कपाट इस वर्ष 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले गए थे।

कपाट बंद होने के अवसर पर गंगोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सुबह करीब 200 श्रद्धालु धाम में मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में मां गंगा के अंतिम दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। धाम में सुबह का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय भी पारा माइनस 2 से 3 डिग्री के बीच बना रहा। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष यात्रा सीजन के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए। कपाट बंद होने के बाद मां गंगा की उत्सव डोली करीब 25 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर मुखबा पहुंचेगी। इस यात्रा में पहला पड़ाव गंगोत्री धाम से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित भैरव मंदिर होगा। यहां दर्शन और धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के बाद डोली आगे रवाना होगी। इसके बाद करीब 16 किलोमीटर की यात्रा कर डोली मार्कण्डेय मंदिर पहुंचेगी, जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। 11 नवंबर को डोली यहां से करीब एक किलोमीटर की दूरी तय कर मुखबा मंदिर पहुंचेगी। इसके साथ ही अगले छह महीनों तक मुखबा में ही मां गंगा की नियमित पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु वहीं पहुंचकर दर्शन कर सकेंगे। चारधाम यात्रा के तहत अन्य प्रमुख मंदिरों के कपाट बंद होने का कार्यक्रम भी निर्धारित है। यमुनोत्री और केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को क्रमशः सुबह 10.28 बजे और 8.30 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। वहीं, बद्रीनाथ धाम के कपाट 16 नवंबर को रात 9:37 बजे बंद होंगे। शीतकाल के दौरान यमुनोत्री की पूजा खरसाली, केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर तथा बद्रीनाथ की पूजा पांडुकेश्वर और जोशीमठ में संपन्न होगी। इस तरह हिमालयी धामों में शीतकालीन प्रवास की धार्मिक परंपरा के साथ चारधाम यात्रा का यह चरण विराम लेगा।

बिरसिंहपुर पाली में पटाखे के ऊपर रखी स्टील की गिलास धमाके से उछली

9 साल के बच्चे के पेट में घुसी; गंभीर हालत में शहडोल रेफर



उमरिया, यशभारत। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरती गई एक छोटी सी लापरवाही नौ वर्षीय बच्चे के लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। बिरसिंहपुर पाली नगर के वार्ड क्रमांक 10 में पटाखा जलाने के दौरान हुए हादसे में स्टील की गिलास उछलकर बच्चे के पेट में जा लगी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसके पेट में गहरा घाव हो गया और अंदरूनी अंग तक दिखाई देने लगे। गंभीर हालत में बच्चे को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहडोल रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम की है। वार्ड क्रमांक 10 निवासी सौकी बसोर का नौ वर्षीय बेटा हिमांशु घर के आंगन में पटाखे जला रहा था। इसी दौरान उसने पानी पीने के लिए रखी स्टील की गिलास जलते हुए पटाखे के ऊपर रख दी। बच्चे को अंदाजा नहीं था कि धमाके के दबाव से गिलास इतनी तेज गति से उछल सकती है। जैसे ही पटाखा फूटा, धमाके के कारण स्टील की गिलास हवा में उछलकर सीधे हिमांशु के पेट से जा टकराई। टक्कर से उसके पेट में गहरा घाव हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। बच्चे की हालत देखकर परिजन घबरा गए और उसे तत्काल निजी वाहन से बिरसिंहपुर पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

गंभीर चोट देखकर चिकित्सकों ने किया रेफर

अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार किया। पेट में गंभीर चोट और बेहतर चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता को देखते हुए उसे तत्काल हायर सेंटर शहडोल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर शहडोल रवाना हो गए। फिलहाल बच्चे की आगे की चिकित्सा और स्वास्थ्य स्थिति को लेकर जानकारी सामने नहीं आई है।

रामपुर CRPF कैंप पर हमले के दोषी मोहम्मद शरीफ की हत्या, अज्ञात बदमाशों ने मारी गोली

रामपुर एजेंसी। उत्तर प्रदेश के रामपुर में वर्ष 2008 में सीआरपीएफ कैंप पर हुए हमले के दोषी मोहम्मद शरीफ अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने शरीफ को गोली मारी जिसके बाद गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि हमलावर गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। मोहम्मद शरीफ अहमद रामपुर का रहनेवाला था और 31 दिसंबर 2007 से 1 जनवरी 2008 की रात रामपुर CRPF ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के मामले में सामने आया था। साल 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप पर हमला हुआ था इस मामले में 8 सीआरपीएफ जवान मारे गए थे मोहम्मद शरीफ इसी मामले में आरोपी था और बाद में कोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था, मोहम्मद शरीफ ने 7 साल जेल की सजा काटी थी।जानकारी के मुताबिक शरीफ ने इस मामले में 7 साल की सजा काटी थी और जेल से बाहर आ गया था। अब उसे अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी है। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि शरीफ बीते नवंबर महीने में हाई कोर्ट से राहत मिलने के बाद जेल से बाहर आया था।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

कोलकाता-मुंबई विमान में 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार

पायलट ने एटीसी को दी सूचना, आइसोलेशन बे में भेजकर शुरू की गई जांच

कोलकाता,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के टॉयलेट में धमकी भरा नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने बिना देर किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेज दिया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। घटना के समय विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे।



जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का एयरबस ए320निओ विमान बुधवार सुबह कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट को सूचित किया। पायलट ने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी विस्तृत जांच की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां नोट की सत्यता और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुट गई।

लाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा

सेंसेक्स 1250 अंक से अधिक उछला, निवेशकों की संपत्ति में भारी इजाफा

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार में आज गजब की तेजी दिखी है। मार्केट खुलते हैं स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ा उछाल दिखा है। ऐसा लग रहा है कि दलाल स्ट्रीट पर बुल्स का कब्जा हो गया है, जो निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। आज 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 82,258.68 पर खुला और 9 बजकर 19 मिनट में इसमें 1250 अंकों से अधिक की तेजी दर्ज की गई। यह हरे निशान में 1.55 फीसदी उछलकर 82,363.16 पर ट्रेड कर रहा था। इसके सभी 30 शेयर हरे निशान में दिखे। वहीं, 50 शेयरों वाले निफ्टी की बात करें तो इसमें भी बड़ी तेजी दिखी। यह आज 25,337.80 पर खुला और 9 बजकर 18 मिनट पर इसमें 301.65 अंक यानी कि 1.20 फीसदी की बढ़त दिखी। यह इस दौरान 25,346.30 पर कारोबार करते हुए दिखा। आइए जानते हैं कि निवेशकों की संपत्ति में कितना उछाल आया है और घरेलू बाजार में इस बड़ी तेजी की प्रमुख वजहें क्या हैं।

आनंद से अनुज तक 100 भारतीय चेस ग्रैंड मास्टर्स का सुहाना सफर

जबलपुर, यशभारत। *सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।*

देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज,मप्र के पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा



अनुज जबलपुर के वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के साथ

जबलपुर-कटनी से है गहरा नाता

जहां तक अनुज श्रीवात्री का सवाल है, उनका जन्म जबलपुर से गहरा नाता है। अनुज का जन्म निकटवर्ती कटनी जिले में हुआ है, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक चेस की कोचिंग जबलपुर में प्राप्त की। वे वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के पास वर्षों तक सीखते रहे हैं। प्रारंभिक दौर में वे कई बार जबलपुर में शतरंज के टूर्नामेंट में शामिल होने आते रहे हैं। अब अनुज का परिवार भोपाल में बस गया है, किन्तु उनके पिता अशोक श्रीवात्री जबलपुर में पदस्थ हैं।

यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया। वे भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने। लेकिन वे यहीं नहीं रुके, वरन 5 बार विश्व चैम्पियन बन कर ऐसा इतिहास रचा जिसे विश्व अब भी गौरव के साथ याद करता है। । सच कहें तो उनके शिखर पर पहुंचने के बाद देश में शतरंज का जुनून पैदा हुआ, लेकिन सन् 2000 तक भारत के झोली में आनंद के अलावा सिर्फ दिव्येंदु बरुआ (1991) तथा प्रवीण थिप्से (1997) ही ग्रेंड-मास्टर थे। तब तक शतरंज के दुनिया में सोवियत रूस, अमेरिका जैसे देशों की तूती बोलती थी। तब तक जर्मनी भी अपना दबदबा बना चुका था। सन 2000 के बाद भारतीय शतरंज ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी। महिला खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाने लगीं। 2002 में कोनेरू हम्पी ने अपना ग्रेंड-मास्टर खिताब जीतकर सनसनी फैला दी। फिर द्रोणावली हरिका ने कमाल कर दिखाया। भारतीय शतरंज का यशस्वी दौर तो सन 2010 के बाद शुरू हुआ। जब एक के बाद एक नये शतरंज खिलाड़ी विश्व पटल पर धूम मचाने लगे । आज की स्थिति में डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती जैसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिसके सामने विश्व स्तरीय खिलाड़ भी चकरा जाते हैं। डी. गुकेश ने तो विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का नया इतिहास रच दिया। भारत के शतरंज इतिहास ने किस कदर गति पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगता है कि भारत के 50 ग्रेंड मास्टर्स बनने में 30 साल लग गए, वही 50 से 100 ग्रेंड मास्टर्स बनने में सिर्फ 8 साल ही लगे। आज भारत चौथा ऐसा देश है जहां 100 से ज्यादा ग्रेंड मास्टर मौजूद हैं। पहले नंबर पर रूस है, जिसके खाते में 185 जीएम(ग्रेंड-मास्टर) दर्ज हैं । दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जिसके 110 से ज्यादा खिलाड़ी यह खिताब पा चुके हैं। जर्मनी का आंकड़ा भारत के नजदीक ही हैं, इनके पास 103 ग्रेंड मास्टर हैं। इस दीपावली की रात भारत ने भी 100 का जादूई आंकड़ा छू लिया। मध्यप्रदेश के 22 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने 7 वें ASEAN प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप 2026 में खिताब जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के मोरिस जेम्स को हराकर भारत के लिए 100 वें ग्रेंड-मास्टर का खिताब दिलाया। उनकी यह उपलब्धि जहां देश को गौरवान्वित करती है वहीं मध्यप्रदेश के लिये इतिहास गढ़ती है। यूँ तो मध्यप्रदेश के खाते में इंटरनेशनल खिलाड़ी (आईएम) तो हैं, लेकिन ग्रेंड मास्टर का खाता खोलने का रिकार्ड अनुज के नाम दर्ज हुआ।मध्यप्रदेश में अनुज के पीछे आयुष शर्मा रखें हैं। जिन्होंने जीएम के नॉर्म्स (Norms)तो प्राप्त कर लिए, लेकिन खिताब प्राप्त करना शेष है।

शुभांक-6-3-9

भोपाल-इंदौर मेट्रो में 12 नवंबर से शुरू होगा एनसीएमसी स्मार्ट कार्ड, सफर बनेगा और भी आसान व किफायती

भोपाल, यशभारत।

मध्यप्रदेश के दो प्रमुख महानगरों भोपाल और इंदौर में मेट्रो सफर को आधुनिक, सुगम और किफायती बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए आगामी 12 नवंबर से दोनों शहरों में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड स्मार्ट कार्ड की सेवा शुरू होने जा रही है। इस कार्ड के आने से यात्रियों को हर बार टिकट खरीदने की लंबी कतारों से मुक्ति मिल जाएगी और वे आसानी से मेट्रो में सफर कर सकेंगे।





मात्र 50 रुपए में मिलेगा स्मार्ट कार्ड

मेट्रो प्रशासन के मुताबिक, यात्री भोपाल और इंदौर मेट्रो के सभी स्टेशनों पर बने टिकट काउंटर्स से एनसीएमसी स्मार्ट कार्ड खरीद सकेंगे। इस कार्ड को प्राप्त करने के लिए 50 रुपए का नॉन-रिफंडेबल शुल्क निर्धारित किया गया है। एक बार कार्ड मिलने के बाद यात्री अपनी जरूरत और सुविधा के अनुसार इसमें राशि रिचार्ज करा सकेंगे। इस डिजिटल पहल से यात्रियों का सफर पूरी तरह से कैशलेस और परेशानी मुक्त हो जाएगा।

सिंगल जर्नी टिकट पर 25% की छूट

यात्रियों को आर्थिक राहत देने के लिए इस कार्ड के इस्तेमाल पर विशेष छूट का प्रावधान किया गया है।एनसीएमसी कार्ड के जरिए सिंगल जर्नी करने वाले यात्रियों को किराए में 25 प्रतिशत की सीधी छूट मिलेगी। हालांकि, यह विशेष छूट केवल उन यात्राओं पर लागू होगी जिनका निर्धारित किराया 20 रुपए से अधिक है। कार्ड को रिचार्ज करने के लिए यात्री टिकट काउंटर, टिकट वेंडिंग मशीन के अलावा एमपी मेट्रो मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकेंगे।

टिकट वेंडिंग मशीन से टिकट

स्मार्ट कार्ड के अलावा स्टेशनों पर आधुनिक टिकट वेंडिंग मशीनों की सुविधा भी शुरू की गई है। इन मशीनों के जरिए यात्री बेहद कम समय में अपना टिकट हासिल कर सकते हैं। मशीन पर Buy QR Ticket का विकल्प चुनकर गंतव्य स्टेशन का चयन करना होगा, जिसके बाद स्क्रीन पर किराया प्रदर्शित होगा। यूपीआई के माध्यम से क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान करते ही मात्र 30 सेकंड के भीतर मशीन से टिकट प्राप्त हो जाता है।

31 दिसंबर तक विशेष प्रमोशनल छूट जारी

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा यात्रियों के लिए 11 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक विशेष किराया छूट योजना लागू की गई है। इसके तहत विभिन्न श्रेणियों में रियायतें दी जा रही हैं:

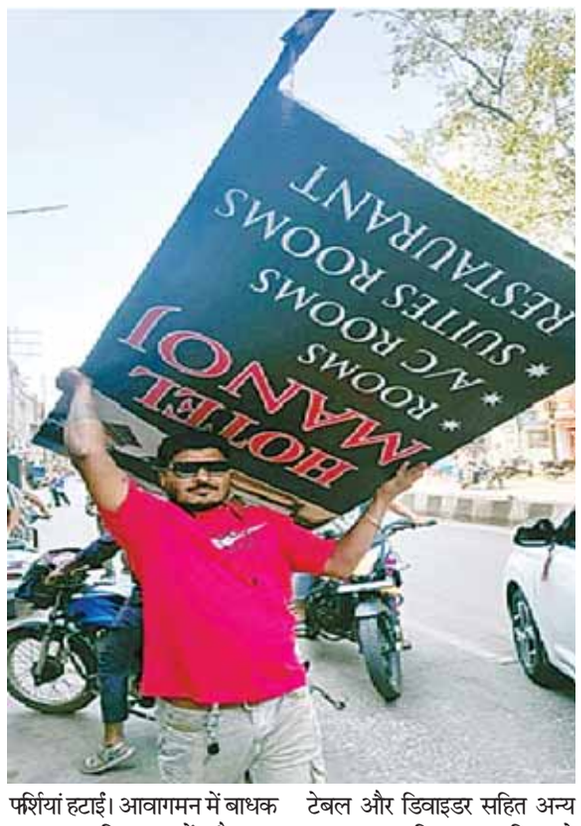
सिंगल जर्नी टिकट: 25 प्रतिशत अतिरिक्त छूट 20 रुपए तक के टिकट को छोड़कर।

रिटर्न जर्नी टिकट: कुल 30 प्रतिशत की छूट। ग्रुप टिकट (कम से कम 2 यात्रियों के लिए): कुल 35 प्रतिशत की छूट।

ई-वॉलेट रिचार्ज: राशि के आधार पर 8 से 15 प्रतिशत तक का अतिरिक्त बोनस। इन डिजिटल और रियायती सुविधाओं के जुड़ने से भोपाल और इंदौर के नागरिकों का मेट्रो सफर न केवल समय बचाने वाला साबित होगा।

न्यू मार्केट समेत कई इलाकों में निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई

दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया, फुटपाथों से हॉकर्स को भेजा टीटी नगर हाट बाजार



भोपाल, यश भारत। नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को व्यापक अभियान चलाया। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने न्यू मार्केट सहित कई इलाकों में अवैध कब्जे हटाए। इस दौरान दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाकर निर्धारित सीमा के भीतर रखवाया गया। न्यू मार्केट के आंतरिक और बाहरी क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर फुटपाथ और सड़कों पर कारोबार कर रहे हॉकर्स को टीटी नगर हाट बाजार भेजा गया। वहीं वल्लभ भवन एमपी नगर कोलार शाहजहांनाबाद जहांगीराबाद गांधीनगर करोंद और कोहेफिजा सहित कई क्षेत्रों में भी कार्रवाई की गई। निगम अमले ने अवैध शेड गेट चबूतरे और नालियों पर रखी फर्शियां हटाई। आवागमन में बाधक 10 चार पहिया वाहनों और एक लोडिंग ऑटो को भी हटवाया गया। कार्रवाई के दौरान पाइप स्टैंड बोर्ड टेबल और डिवाइडर सहित अन्य सामान जब्त किया गया। निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रखने की बात कही है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. विकास शेन्डे ने किया मप्र का प्रतिनिधित्व

पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और वैज्ञानिक प्रसार पर शोधपत्र प्रस्तुत किया, वैज्ञानिक सत्र के रहे सह-अध्यक्ष



भोपाल, यश भारत । वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान तथा राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला द्वारा आयोजित पारंपरिक ज्ञान के संचार एवं प्रसार पर तृतीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विकास शेन्डे ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में देश विदेश के करीब 300 वैज्ञानिकों शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया। डॉ. शेन्डे को मौखिक शोधपत्र प्रस्तुति के वैज्ञानिक सत्र में सह-अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। उन्होंने मध्यप्रदेश के संदर्भ में पारंपरिक ज्ञान को लोकप्रिय बनाने की संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसमें प्रदेश की जनजातीय ज्ञान परंपराओं औषधीय पौधों पारंपरिक कृषि, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण पर प्रकाश डाला। डॉ. शेन्डे ने पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण वैज्ञानिक प्रमाणीकरण डिजिटल संरक्षण और बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक विज्ञान के साथ पारंपरिक ज्ञान का समन्वय कर स्थानीय समस्याओं के टिकाऊ समाधान विकसित करने की आवश्यकता भी बताई।

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने हस्ताक्षर अभियान शुरू

4 दिसंबर को भोपाल में सौंपा जाएगा विशाल ज्ञापन, बटियागढ़ में काउंटर लगाकर लोगों से मांगा जा रहा समर्थन



भोपाल,यश भारत। गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर बटियागढ़ में हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बस स्टैंड स्थित अंबेडकर तिराहे पर काउंटर लगाया गया है जहां नगरवासियों से अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर करने की अपील की जा रही है। अभियान से जुड़े लोगों ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपना एक मिनट निकालकर हस्ताक्षर करें और गौ सम्मान की इस मांग को समर्थन दें। अभियान का नारा जय गोमाता जय गोपाल 4 दिसंबर चलो भोपाल रखा गया है।आयोजकों के अनुसार आगामी 4 दिसंबर को भोपाल में बड़े स्तर पर गौ सम्मान के समर्थन में विशाल ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान का उद्देश्य गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग को शासन तक पहुंचाना और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

अन्नकूट महोत्सव पर करुणाधाम में मां महालक्ष्मी को लगाया 56 प्रकार का भोग



भोपाल, यश भारत। करुणाधाम आश्रम में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मां महालक्ष्मी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर माता के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। महोत्सव के दौरान मां महालक्ष्मी का विशेष श्रृंगार करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर सुदेश जी शांडिल्य महाराज ने किया। इसके बाद विधि विधान से महाआरती की गई। भजन संध्या में भक्ति गीतों की प्रस्तुति से आश्रम का वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाआरती के बाद सभी भक्तों को प्रसादी वितरित की गई। श्रद्धालुओं ने मां महालक्ष्मी से सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूरे आयोजन में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।

पटाखों के धमाके से कम हो सकती है सुनने की क्षमता, 72 घंटे बेहद अहम



भोपाल , यश भारत। पटाखों के तेज धमाके से कान के भीतरी हिस्से को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इससे सुनने की क्षमता अस्थायी या स्थायी रूप से प्रभावित हो सकती है। एम्स भोपाल के ईएनटी विभाग के वाक् एवं भाषा चिकित्सक प्रांजल जैन के अनुसार पटाखों के बाद अचानक कम सुनाई देने पर शुरुआती 72 घंटे इलाज के लिहाज से गोल्डन पीरियड होते हैं। इसलिए लक्षण दिखते ही जांच कराना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कान में घंटी या सीटी बजना, कान बंद लगना आवाज धीमी सुनाई देना और चक्कर आना ध्वनिक चोट के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। ऐसे में तत्काल ऑडियोलॉजिस्ट से सुनने की जांच और ईएनटी विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए। विशेषज्ञ ने सलाह दी कि तेज आवाज वाले पटाखों से दूरी रखें, बच्चों और बुजुर्गों को शोर से बचाएं। 72 घंटे बीतने पर भी जांच और इलाज में देरी न करें। खुद से दवा लेने से बचें।

विश्व विज्ञान दिवस पर आंचलिक विज्ञान केंद्र में हुए रोचक वैज्ञानिक आयोजन

दूरबीन से देखा शनि ग्रह और सूर्य के धब्बे, विज्ञान प्रश्नोत्तरी व प्रयोगों से विद्यार्थियों ने समझे वैज्ञानिक सिद्धांत



भोपाल, यश भारत। विश्व विज्ञान दिवस के अवसर पर आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल में विभिन्न शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और आमजन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना था। कार्यक्रम में उन्नत दूरबीनों की मदद से सूर्य के धब्बों का अवलोकन कराया गया। वहीं हमारे आसपास का विज्ञान विषय पर विशेष प्रदर्शन के जरिए दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रयोगों से समझाया गया। विद्यार्थियों के लिए ओपन हाउस विज्ञान प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण शनि ग्रह का लाइव दूरबीन अवलोकन रहा। इस दौरान दर्शकों ने शनि के छल्लों को देखा और खगोल विज्ञान से जुड़े सवाल पूछे। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रकाश को पृथ्वी से शनि तक पहुंचने में करीब 72 मिनट लगते हैं जबकि 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वाहन से वहां पहुंचने में लगभग 1475 वर्ष लगेंगे।

गुफा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

राज्यमंत्री कृष्णा गौर और महापौर मालती राय ने की पूजा अर्चना



भोपाल, यश भारत। दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में मंगलवार को गुफा मंदिर में अन्नकूट पूजन महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। महंत श्री रामप्रवेश जी महाराज के सानिध्य में हुए इस धार्मिक आयोजन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कृष्णा गौर और महापौर श्रीमती मालती राय ने शामिल होकर विधि विधान से पूजा-अर्चना की और धर्मलाभ अर्जित किया। महोत्सव में परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष विष्णु राजौरिया जोन अध्यक्ष देवेंद्र भार्गव पार्षद श्रीमती प्रियंका और पूर्व महापौर सुनील सूद सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर अन्नकूट पूजन में सहभागिता की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



शहर की सड़कों पर निगम ने कराया पैचवर्क, गड्ढों से मिलेगी राहत

कोलुआ में 1.5 किलोमीटर मार्ग की मरम्मत, पीएंडटी चौराहे से झूलेलाल मंदिर तक भी सुधारी सड़क

भोपाल, यश भारत।

नागरिकों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा देने के लिए नगर निगम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत और पैचवर्क का कार्य कराया है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर यांत्रिक विभाग के अमले ने जोन क्रमांक 16 और 21 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सड़कों को दुरुस्त किया। जोन क्रमांक 16 के वार्ड 74 स्थित कोलुआ क्षेत्र में अयोध्या बायपास से औद्योगिक क्षेत्र को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर करीब 1.5 किलोमीटर लंबाई में पैचवर्क कराया गया। वहीं जोन क्रमांक 21 के वार्ड 32 में पीएंडटी चौराहे से झूलेलाल मंदिर तक सड़क के गड्ढे भरकर डामर से मरम्मत की गई। निगम अधिकारियों ने मौके पर कार्यों की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों का निरीक्षण भी किया। निगम के अनुसार शहर के अन्य वार्डों में भी सड़क मरम्मत निर्माण और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं।

ग्रामीण जसमत में पुवारिया का पौधा नहीं उखाड़ पाते

आष्टा, यशभारत। सीहोर जिले के आष्टा विकासखंड के ग्राम जसमत में दीपावली की पड़वा पर जंगली पुवारिया का पौधा मंदिर के सामने गाड़ा जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, आरती होने तक कोई इसे उखाड़ नहीं पाता। आरती के बाद एक छोटा बच्चा भी पौधा उखाड़ देता है। ग्राम के कोतवाल महेश कुमार मालवी और पटेल गोपाल सिंह पौधे को सबके सामने एक फीट गहराई में गाड़ते हैं। इसके बाद ग्रामीण और आसपास के गांवों से आए लोग उसे उखाड़ने की कोशिश करते हैं। कुछ लोग हाथ जोड़कर लौट जाते हैं, जबकि कई लोग अपनी ताकत आजमाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। उन्हें इसकी शुरुआत के बारे में जानकारी नहीं है। वे बताते हैं कि यह प्रथा उनके पूर्वजों के समय से जारी है। गांव के लोग इसे हनुमान जी की शक्ति और भक्ति से जोड़ते हैं। गांव में आईपीएस और आईएएस अधिकारी भी रहते हैं, जो पड़वा के दिन मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। सोशल मीडिया पर प्रचार के बाद इस परंपरा को देखने के लिए पड़वा के दिन गांव में भीड़ जुटने लगी है।





वायु गुणवत्ता सुधारने निगम ने शुरू किया विशेष अभियान, सड़कों पर पानी का छिड़काव

प्रमुख मार्गों, फुटपाथों और डिवाइडरों की हो रही धुलाई, धूल रोकने के साथ पौधों की भी कर रहे सिंचाई

भोपाल, यश भारत। शहर में वायु गुणवत्ता सुधारने और नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सफाई कार्य से पहले सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है। साथ ही प्रमुख मार्गों फुटपाथों डिवाइडरों और सेंट्रल वर्ज की नियमित धुलाई की जा रही है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर मंगलवार को ट्रैक्टर माउंट स्प्रे और जेट स्प्रे मशीनों के माध्यम से चार इमली उपांत कॉलोनी राजा भोज सेतु कमला पार्क पॉलीटेक्निक चौराहा, 45 बंगला रोशनपुरा और माता मंदिर से भारतमाता चौराहे तक अभियान चलाया गया। इस दौरान धूल मिट्टी को उड़ने से रोकने के साथ सेंट्रल वर्ज और साइड वर्ज में लगे पौधों की सिंचाई भी की गई। निगम के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य वायु प्रदूषण कम करना और नागरिकों के साथ सफाई मित्रों को धूल से होने वाली परेशानी से बचाना है।

स्वच्छता सर्वेक्षण में भोपाल फिसड्डी: आदमपुर खंती का कचरा बना बड़ा रोड़ा, राजधानी को नहीं मिला एक भी पुरस्कार





भोपाल,यशभारत।

देशभर के शहरों में स्वच्छता का पैमाना तय करने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नतीजे बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में घोषित होने जा रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्रदान करेंगी। इस बार मध्य प्रदेश को कुल 9 पुरस्कार मिलने की उम्मीद है, जिसमें इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर के साथ ही बुधनी, देपालपुर, देवास और सागर को भी सम्मानित किया जाएगा। लेकिन इन सबके बीच प्रदेश की राजधानी भोपाल के हाथ निराशा लगी है। पिछली बार देश में दूसरा स्थान हासिल करने वाला भोपाल इस बार पुरस्कारों की दौड़ से पूरी तरह बाहर हो गया है और उसे समारोह का न्योता तक नहीं मिला है।

सात साल की मेहनत के बाद झटका

भोपाल ने पिछले स्वच्छता सर्वेक्षणों में लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का मुकाम हासिल किया था और शहर को 7-स्टार रेटिंग भी मिली थी। लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल उलट है। जानकारों के अनुसार, शहर की इस फिसड्डी स्थिति के पीछे आदमपुर छावनी (खंती) में जमा करीब 5 लाख टन पुराने कचरे का निपटान न होना सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट में भी प्रकरण चल रहा है। इसके अलावा, मूल्यांकन के दौरान मैदानी स्थिति जांचने के लिए आने वाली टीमों की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई, जिसका असर सीधे तौर पर शहर की रैंकिंग और अंकों पर पड़ा।

इंदौर और देपालपुर की जोड़ी को सफलता की उम्मीद

इस बार स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले शहरों को भी सम्मानित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इंदौर की जोड़ी देपालपुर और भोपाल की जोड़ी बैरसिया से बनाई गई थी। निगम ने बैरसिया में मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों से सफाई और थ्री-बिन सिस्टम को बढ़ावा देने जैसे काम किए थे, लेकिन पुरस्कारों की दौड़ में इंदौर-देपालपुर की जोड़ी बाजी मारती दिख रही है। दोनों शहरों को समारोह का बुलावा मिला है, जबकि भोपाल और बैरसिया को इस सूची में जगह नहीं मिली है।

विपक्ष ने उठाए सवाल

राजधानी के इस हश्र के बाद राजनीतिक गलियारों में भी सुगबुगाहट तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने नगर निगम की कार्यप्रणाली और कचरा प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शहर में करोड़ों रुपए खर्च होने और तमाम बड़े-बड़े दावे करने के बावजूद राजधानी अपनी स्वच्छता की पहचान और गौरव बचाने में नाकाम साबित हुई है।



बनखेड़ी में इलेक्ट्रिकल्स दुकान की तीसरी मंजिल पर भीषण आग

करीब एक करोड़ का सामान जलकर राख

रात 1:30 बजे लगी आग ने लिया विकराल रूप, तीन घंटे की मशक्कत के बाद बुझी आग; सो रहे युवक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बनखेड़ी, यशभारत।

नगर के पिपरिया रोड स्थित लकी इलेक्ट्रिकल्स की तीसरी मंजिल पर मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तीसरी मंजिल पर रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान, फर्नीचर, गद्दे, सोफा सहित लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दुकान संचालक कार्तिक विश्वकर्मा के अनुसार आगजनी की इस घटना में करीब एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

घटना के समय दुकान संचालक कार्तिक विश्वकर्मा अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ दूसरी मंजिल पर निवास कर रहे थे, जबकि उनका छोटा भाई तीसरी मंजिल स्थित कमरे में सो रहा था। इसी दौरान कमरे में आग की लपटें पहुंचने और तेज गर्मी महसूस होने से उसकी नींद खुल गई। आग देखकर उसने तत्काल नीचे पहुंचकर परिजनों को जगाया और सभी को सुरक्षित घर से बाहर निकाला। युवक की तत्परता से परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल आए और एक बड़ा हादसा टल गया। आग की सूचना मिलते ही नगर बनखेड़ी की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। आग की भयावहता को देखते हुए पिपरिया से भी दमकल वाहन बुलाया गया। दोनों दमकलों और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयासों के बावजूद आग पर काबू पाने में करीब तीन घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। तब तक तीसरी मंजिल पर रखा कूलर, एलईडी टीवी, गोदरेज अलमारी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, फर्नीचर, गद्दे और सोफा सहित अन्य सामग्री जलकर राख हो चुकी थी।

कार्तिक विश्वकर्मा ने बताया कि शादी के सीजन को देखते हुए दुकान के लिए बड़ी मात्रा में फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदी पहले ही की जा चुकी थी। इसी स्टॉक के आग की चपेट में आने से करीब एक करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

तीसरी मंजिल तक सीमित रही आग, टला बड़ा नुकसान- इस घटना में राहत की बात यह रही कि आग तीसरी मंजिल तक ही सीमित रही। यदि आग नीचे की पहली और दूसरी मंजिल तक फैल जाती तो नुकसान कहीं अधिक हो सकता था। घटना की जानकारी मिलते ही नगर के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने में सहयोग किया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल सका है।



महापौर मालती राय ने सफाई मित्रों के साथ मनाया भाई दूज का पर्व

महापौर निवास पर आयोजित कार्यक्रम में तिलक लगाकर किया सम्मान, मिष्ठान खिलाकर दी शुभकामनाएं

भोपाल, यश भारत। भाई दूज के अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय ने नगर निगम के सफाई मित्रों के साथ पर्व मनाकर उनके प्रति सम्मान और अपनत्व प्रकट किया। मंगलवार को महापौर निवास पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सफाई मित्र शामिल हुए। इस दौरान महापौर मालती राय ने सफाई मित्र भाइयों को तिलक लगाकर और मिष्ठान खिलाकर उनका सम्मान किया। उन्होंने सभी सफाई मित्रों को भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ सुखी और समृद्ध जीवन की कामना की। महापौर ने इस अवसर पर सफाई मित्रों के योगदान और शहर की स्वच्छता व्यवस्था में उनकी भूमिका के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष बृजुला सचान श्रीमती आरती अनेजा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में भाई-बहन के स्नेह और पारिवारिक अपनत्व का भाव दिखाई दिया।

छठ महापर्व अब संपूर्ण सनातन समाज का पर्व बन चुका है: रामेश्वर शर्मा



भोपाल, यश भारत। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने छठ महापर्व की तैयारियों के मद्देनजर शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों पर चल रहे निर्माण कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लेकर संबंधित व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।शर्मा ने कहा कि छठ महापर्व अब किसी एक प्रदेश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण सनातन समाज की आस्था का पर्व बन चुका है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में श्रद्धालु इसे पूरी श्रद्धा और उत्साह से मनाते हैं। उन्होंने कहा कि घाटों पर स्वच्छ जल और पानी की शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, ताकि व्रतधारियों को पूजा अर्चना में परेशानी न हो। उम्मीद है कि अगले दो-तीन दिनों में सभी घाट पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। शर्मा ने प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए छठी मैया से सभी की सुख समृद्धि की कामना की।

आज से 18 नवंबर तक मनेगा जनजातीय गौरव सप्ताह, तीन शहरों में होंगे बड़े आयोजन

जबलपुर, धार और खंडवा में होंगे कार्यक्रम, प्रदेश के सभी जिलों में निकाली जाएंगी सांस्कृतिक रैलियां



भोपाल, यश भारत। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में 11 से 18 नवंबर तक जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता की।मुख्यमंत्री ने बताया कि 14 नवंबर को जबलपुर, 15 नवंबर को धार और 16 नवंबर को खंडवा में बड़े आयोजन होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनजातीय समाज को सम्मान और नेतृत्व के अवसर देने के लिए लगातार काम कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जल जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए संघर्ष कर जनजातीय समाज में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की अलख जगाई थी। सप्ताह के दौरान प्रदेश के सभी जिलों में सांस्कृतिक रैलियां निकाली जाएंगी। जनजातीय नायकों के योगदान लोककला और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रतियोगिताएं और जनजातीय गौरव चौपाल भी आयोजित होंगी।

बिजली अव्यवस्था पर फूटा किसानों का गुस्सा, सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस के नेतृत्व में होगा आंदोलन

आष्टा, यशभारत। आष्टा विद्युत वितरण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खाचरोद सब स्टेशन पर लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती और अन्य अव्यवस्थाओं को लेकर आखिरकार किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। बार-बार अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने आज तहसील कार्यालय आष्टा पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी को मुख्य विद्युत विभाग अधिकारी की उपस्थिति में क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।



इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह मेमदाखेड़ी ने कहा कि पूरे आष्टा अनुविभाग में बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है, लेकिन खाचरोद सब स्टेशन की स्थिति बेहद चिंताजनक है। हालात इतने खराब हैं कि पिछले 15 दिनों में महज चार दिन ही बिजली ठीक ढंग से मिल पाई है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसान रात-रात भर अपनी मोटरों के पास बैठकर बिजली आने का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन समय पर बिजली नहीं मिलने से उनकी खेती और सिंचाई का काम बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। किसानों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के अनुसार, ड्यूटी के दौरान जिम्मेदार ऑपरेटर शराब पीकर सोए रहतें हैं स्थिति यह है कि कर्मचारी से लेकर अधिकारियों तक फोन लगाने पर भी कोई जवाब नहीं मिलता और किसान अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकते रहते हैं। ग्राम सांगाखेड़ी और मेमदाखेड़ी के किसानों ने बताया कि पूरा क्षेत्र पार्वती नदी के पानी पर निर्भर है और नदी में भी अब सीमित पानी शेष बचा है। इसके बावजूद बिजली की बदहाल व्यवस्था के कारण किसान अभी तक अपनी फसलों को पहला पानी तक नहीं दे पाए हैं। यदि समय रहते बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो किसानों की मेहनत और फसल दोनों पर संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं रखते हुए मांग की कि खाचरोद सब स्टेशन की बिजली व्यवस्था तत्काल दुरुस्त की जाए, अघोषित कटौती बंद हो तथा जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। अधिकारियों द्वारा बिजली व्यवस्था शीघ्र सुचारू करने का आश्वासन दिया गया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेन्द्रसिंह मेमदाखेड़ी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और किसानों को नियमित बिजली उपलब्ध नहीं कराई गई तो क्षेत्र के समस्त किसानों के साथ कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग के अधिकारियों की होगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कमलसिंह चौहान, सोहेल मिर्ज़ा, इदरीस मंसूरी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष ज़ाहिद गुड्डू, एच आर परमाल, घनश्याम जांगड़ा, तौसीफ़ुद्दीन एवं मेमदाखेड़ी के अनेक किसान मौजूद रहे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, 54 आवेदन मिले

जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने आवेदकों से की चर्चा, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश



भोपाल, यश भारत। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में मंगलवार को जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी इला तिवारी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 54 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से कई का मौके पर ही निराकरण किया गया। सीईओ इला तिवारी ने प्रत्येक आवेदक से चर्चा कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने और समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की शिकायतों के समाधान में लापरवाही नहीं बरती जाए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



सुंदरलाल पटवा की जयंती पर विधानसभा में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

भोपाल, यशभारत। पद्म विभूषण से सम्मानित, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा के जन्म दिवस के अवसर पर आज विधानसभा के सेंट्रल हॉल में एक पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विधायक सुरेंद्र पटवा और विधायक भगवान दास सबनानी ने स्वर्गीय पटवा जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्वर्गीय पटवा के अन्य परिवारजन तथा विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा सहित विधानसभा के अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

चिंतन-मनन

दीपोत्सव की रोशनी के बीच मौत का अंधेरा

आखिर कब जागेगा हमारा अग्निशमन तंत्र?

दीपावली को हम रोशनी, खुशियों और उत्साह का पर्व कहते हैं। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर उम्मीद और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लेकिन इस बार दीपावली के उल्लास के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों से आई आगजनी की खबरों ने इस पर्व की खुशियों को मातम में बदल दिया। कहीं घरों में आग ने परिवार उजाड़ दिए तो कहीं पटाखों की चिंगारी ने जिंदगी के दीप बुझा दिए। सवाल यह है कि क्या हर साल होने वाले ऐसे हादसों के बाद भी हमारी व्यवस्था की नींद नहीं टूटेगी? महाराष्ट्र के धाराशिव में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत, मध्यप्रदेश के कटनी जिले के बरही में छह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना, सिवनी में छह लोगों की दर्दनाक मौत, उज्जैन में बुजुर्ग की जान जाना, दिल्ली के नरेला में पटाखे से एक बच्चे की मौत, राजस्थान के पाली में दो लोगों की मृत्यु और ओडिशा के कटक में सात साल के मासूम की मौत। ये महज आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उन परिवारों की उजड़ी हुई दुनिया है, जिनके घरों में दीपावली के दिन खुशियों के दीप जलने थे। इन हादसों ने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर उत्सव के बीच सुरक्षा का सवाल हमारी प्राथमिकता क्यों नहीं बन पाता?सबसे अधिक चिंता मध्यप्रदेश के कटनी और सिवनी में हुए अग्निकांडों को लेकर है। बरही में तीन मंजिला इमारत में लगी आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों को मौत की नींद सुला दिया। घर में फंसे लोगों को समय पर सुरक्षित बाहर नहीं निकाला जा सका। सिवनी में भी इसी तरह एक मकान में आग लगने से छह लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने प्रदेश की अग्निशमन व्यवस्था, आपातकालीन प्रतिक्रिया और प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बरही की घटना ने तो व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर किया। जब लोग अपनों की जिंदगी बचाने के लिए मदद मांग रहे थे, तब जिम्मेदार अधिकारियों के फोन तक नहीं उठने की शिकायतें सामने आईं। घटना के कई घंटे बाद वरिष्ठ अधिकारियों का मौके पर पहुंचना और फिर व्यवस्थागत कमियों को स्वीकार करना, इस बात का संकेत है कि आपदा से निपटने की तैयारी कागजों और दावों से आगे नहीं बढ़ पाई है। आखिर संकट के समय आम आदमी किसके भरोसे रहे। मुंबई में दीपावली के दौरान दमकल विभाग को 142 फायर कॉल मिलना और इनमें 137 का पटाखों से संबंधित होना भी खतरे की गंभीरता बताता है। यह स्पष्ट करता है कि दीपावली के दौरान आगजनी की आशंका सामान्य दिनों की तुलना में कितनी बढ़ जाती है। इसके बावजूद कई शहरों में दमकल वाहनों की उपलब्धता, प्रशिक्षित कर्मचारियों, आधुनिक उपकरणों और त्वरित पहुंच की व्यवस्था पर्याप्त नहीं दिखाई देती। यह भी समझना होगा कि आग लगने की घटनाओं के पीछे केवल पटाखे या दीपक ही जिम्मेदार नहीं होते। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, इमारतों में सुरक्षा इंतजामों का अभाव, बिजली की खराब वायरिंग, आपातकालीन निकास का बंद होना और दमकल वाहनों का घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाना भी हादसों को भयावह बना देता है। कई बार आग छोटी होती है, लेकिन बचाव व्यवस्था की कमजोरी उसे बड़ी त्रासदी में बदल देती है। अब वक्त केवल शोक व्यक्त करने और मुआवजे की घोषणा करने का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने का है। प्रत्येक जिले में दमकल व्यवस्था का ऑडिट होना चाहिए। पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहन, प्रशिक्षित दमकल कर्मी, आधुनिक उपकरण और चौबीस घंटे सक्रिय आपातकालीन हेल्पलाइन सुनिश्चित की जानी चाहिए। संकरी बस्तियों में छोटे दमकल वाहनों और त्वरित बचाव दल की व्यवस्था होनी चाहिए। बहुमंजिला इमारतों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आवासीय परिसरों में अग्नि सुरक्षा मानकों का नियमित निरीक्षण अनिवार्य किया जाना चाहिए। इसके साथ ही नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। दीपक और पटाखों का इस्तेमाल सावधानी से हो, ज्वलनशील सामग्री सुरक्षित स्थानों पर रखी जाए और घरों में आग से बचाव के प्राथमिक उपकरण उपलब्ध हों। बच्चों को पटाखों से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। दीपावली का वास्तविक संदेश केवल घरों को रोशन करना नहीं, बल्कि जीवन में उजाला लाना है। लेकिन जब एक ही रात में इतने परिवारों के चिराग बुझ जाएं तो उत्सव की चमक पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सरकार और प्रशासन को समझना होगा कि आपदा के बाद घटनास्थल पर पहुंचना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि आपदा आने से पहले ऐसी व्यवस्था तैयार करना असली जिम्मेदारी है। हर अग्निकांड के बाद जांच, मुआवजा और आश्वासन की औपचारिकता निभाने से अब काम नहीं चलेगा। जरूरत इस बात की है कि हादसों से सबक लेकर व्यवस्था को बदला जाए और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो। आखिर कब तक आग में जलती रहेंगी जिंदगियां और कब तक हादसों के बाद ही जागेगा प्रशासन? दीपावली के दीप फिर जलेंगे, उत्सव फिर आएंगे, लेकिन जिन घरों के चिराग बुझ गए, वहां खुशियां लौटाना किसी के बस में नहीं। अब समय है कि सरकार और प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में किसी परिवार की दीपावली इस तरह मातम में न बदले।

कड़वे वचन



पहाड़ों पर जल की एक बूंद भी नहीं दिखाई देती फिर भी सारी नदियां पहाड़ों से ही निकलती हैं ।वेसे ही दिगम्बर मुनियों के पास परिग्रह के नाम पर कुछ नहीं होता पर वे किसी शहंशाह से कम नहीं होते और उधर समुद्र जल से लबालब भरा होता है किंतु समुद्र से कोई नदी नहीं निकलती । अमीरों के धर धन के भंडार भरे होते हैं पर उनके पास मन की शांति नहीं होती ।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-11 नवम्बर, 2026
दिन-बुधवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष

धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

वृष

घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

मिथुन

रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है

कर्क

व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा

सिंह

साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अथॉरिटी मिल सकती है।

कन्या

घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे

तुला

आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उत्तम दिनचर्या रखें।

वृश्चिक

सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ेगा जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।

धनु

दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे

मकर

अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे

कुंभ

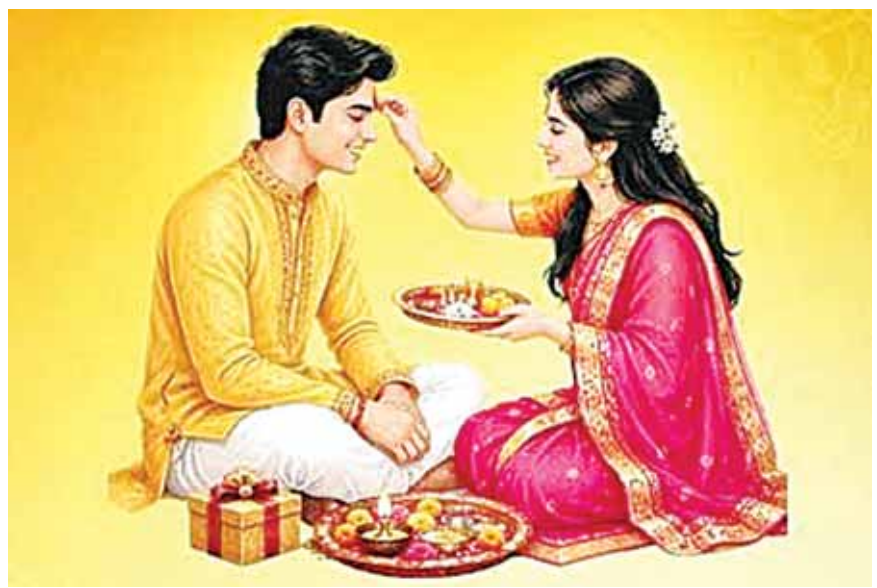
बातचीत करते समय अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

मीन

व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

भैया दूजः रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक

(भैया दूज (11 नवम्बर 2026) पर विशेष)



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। चकमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। चकोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानीज वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां चयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ज्ञ की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़ा भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बचाता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

(लेखक - ललित गर्ग)

नागरिक की स्वतंत्रता पर पहरा अब पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी

सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम फैसला

कानून का शासन किसी भी लोकतांत्रिक देश की सबसे बड़ी ताकत होता है। इसकी सार्थकता तभी है जब कानून बनाने वाले ही नहीं, बल्कि कानून लागू करने वाली संस्थाएं भी उसके दायरे में रहकर काम करें। किसी व्यक्ति पर संदेह होना, उसके विरुद्ध शिकायत मिलना अथवा किसी अपराध में संलिप्तता की आशंका होना पुलिस को यह अधिकार नहीं देता कि वह अपनी इच्छा से उसकी स्वतंत्रता छीन ले। अपराध की जांच करना पुलिस का कर्तव्य है, लेकिन जांच की आड़ में नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी महत्वपूर्ण सिद्धांत को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले के माध्यम से और स्पष्ट कर दिया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि किसी व्यक्ति को वास्तविक रूप से हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना अनिवार्य है। इस अवधि की गणना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की औपचारिक कार्रवाई पूरी करने के समय से नहीं, बल्कि व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित किए जाने के वास्तविक समय से होगी। अर्थात किसी व्यक्ति को पूछताछ के नाम पर थाने में रोककर बाद में गिरफ्तारी दिखाने की प्रक्रिया को संवैधानिक सुरक्षा से बचने का रास्ता नहीं बनाया जा सकता। निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं करने पर हिरासत अवैध होगी और संबंधित व्यक्ति की रिहाई आवश्यक होगी। इस निर्णय का सबसे बड़ा महत्व यह है कि न्यायालय ने नागरिक स्वतंत्रता को केवल कागजी अधिकार मानने के बजाय उसकी व्यावहारिक सुरक्षा पर जोर दिया है। संविधान का अनुच्छेद 22(2) स्पष्ट करता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को यात्रा के आवश्यक समय को छोड़कर 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि हिरासत और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच अंतर बताकर इस संवैधानिक प्रावधान को निष्प्रभावी नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पीठ का यह दृष्टिकोण पुलिस व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ाने वाला है।

भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि पुलिस के सामने आम नागरिक की आवाज कमजोर पड़ जाती है। किसी व्यक्ति को संदेह के आधार पर थाने बुलाया गया तो परिवार के सदस्य भी यह पूछने से डरते थे कि उसे किस कारण रोका गया है और कब छोड़ा जाएगा। कई बार पूछताछ की प्रक्रिया लंबी खिंच जाती थी और औपचारिक गिरफ्तारी बाद में दर्ज की जाती थी। ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति और उसके परिवार को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कानून की जानकारी का अभाव भी इस समस्या को बढ़ाता था। अनेक लोग पुलिस की कार्रवाई को ही अंतिम मानकर अपने अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठा पाते थे।

लेकिन बदलते समय के साथ नागरिकों की सोच और जागरूकता में भी बदलाव आया है। आज शिक्षा, संचार माध्यमों और कानूनी जानकारी की उपलब्धता ने आम व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाया है। अब नागरिक यह जानना चाहता है कि पुलिस किस कानूनी आधार पर उसे रोक रही है, हिरासत का समय कब से माना जाएगा और उसे न्यायालय के सामने कब प्रस्तुत किया जाएगा। यह जागरूकता किसी सरकारी संस्था के प्रति विरोध नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही की मांग है। पुलिस अधिकारी को भी यह समझना होगा कि वर्दी का सम्मान तभी बढ़ता है जब उसका इस्तेमाल कानून और जनसेवा के अनुरूप हो।

सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला पुलिस और जांच एजेंसियों के काम में अनुशासन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जांच की आवश्यकता और नागरिक की स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है। अपराध की गंभीरता चाहे कितनी भी हो, जांच एजेंसियों को निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करना ही होगा। किसी व्यक्ति को केवल इसलिए अनिश्चित समय तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता कि उससे पूछताछ की जानी है। यदि आगे की जांच के लिए हिरासत आवश्यक है तो संबंधित एजेंसी को निर्धारित समय में मजिस्ट्रेट के सामने अपना पक्ष रखना होगा। न्यायिक अधिकारी तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय करेंगे।

इस व्यवस्था में मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब न्यायिक अधिकारी को यह देखना होगा कि व्यक्ति को वास्तव में कब हिरासत में लिया गया था और उसे न्यायालय में प्रस्तुत करने में संवैधानिक समय सीमा का पालन हुआ या नहीं। केवल पुलिस द्वारा दर्ज की गई गिरफ्तारी की तारीख और समय को अंतिम आधार मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। हिरासत की वास्तविक परिस्थितियों पर भी ध्यान देना आवश्यक है। इससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी और किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता को अनावश्यक रूप से सीमित करने की संभावना कम होगी।

यह समझना भी जरूरी है कि इस फैसले का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। कानून के विरुद्ध काम करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। समाज की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। लेकिन लोकतंत्र में पुलिस की शक्ति असीमित नहीं हो सकती। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। जिस प्रकार नागरिक से कानून का पालन अपेक्षित है, उसी प्रकार पुलिस और प्रशासन से भी कानून के प्रत्येक प्रावधान का पालन अपेक्षित है। न्याय का सिद्धांत यही है कि दोषी को सजा मिले और निर्दोष के अधिकार सुरक्षित रहें।

आज आवश्यकता है कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और पुलिस प्रशासन भी इस निर्णय की भावना को अपनी कार्यशैली में अपनाए। किसी व्यक्ति को हिरासत में लेने की स्थिति में उसके परिजनों को नियमानुसार जानकारी मिले, हिरासत का समय स्पष्ट रहे और निर्धारित अवधि में न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो। वकीलों और कानूनी सहायता से जुड़े लोगों की भी जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें।

सर्वोच्च न्यायालय का यह संदेश स्पष्ट है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस की शक्ति कानून से मिलती है और उसी कानून की मर्यादा में उसका उपयोग होना चाहिए। नागरिक की स्वतंत्रता किसी अधिकारी की इच्छा पर निर्भर नहीं हो सकती। 24 घंटे की संवैधानिक सीमा का पालन केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र में व्यक्ति के सम्मान, सुरक्षा और न्याय का आधार है। जागरूक नागरिक और जवाबदेह प्रशासन ही मजबूत लोकतंत्र की पहचान हैं।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

जीवन में क्यों जरूरी है विचारशील होना

किसी चीज के बारे में सोचने या समझने की कोशिश में दिमाग में बनने वाली अवधारणा को विचार कह सकते हैं। यह मन के भीतर होने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो सोच से भिन्न है। सोच एक अनैच्छिक प्रक्रिया है जो चलती रहती है और इसके विषय बदलते रहते हैं। परन्तु विचारना अधिकांशतः एक योजनाबद्ध प्रक्रिया है, एक ही विषय पर केंद्रित होकर सोचने से विचार का जन्म होता है। सावधानीपूर्वक विचार करने की आदत को विचारशीलता कहते हैं। जब कोई व्यक्ति ऐसी प्रवृत्ति को अपने भीतर विकसित कर लेता है तो उसे विचारशील व्यक्ति कह सकते हैं। कहते हैं मनुष्य के अलावा कोई प्राणी विचार नहीं कर पाता। एक तो मनुष्य प्राणी जगत् का सबसे प्रबुद्ध और बुद्धिमान प्राणी माना जाता रहा है और दूसरे मानवीय संवेदना मनुष्य को एकाकी नहीं बनाकर अपने परिवेश और अन्य प्राणियों के प्रति भी जवाबदेह बनाती है। अतः अपने साथ-साथ अपने चारों ओर के परिवेश के बारे में, प्रकृति में अन्य उपस्थित प्राणियों के बारे में विचार करना मनुष्य के दायित्वों में शामिल होता है। विचारशीलता का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। यह हमें सही मार्ग चुनने और सही-गलत को पहचानने का विवेक देता है। हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाता है और किसी भी कार्य को करने से पहले उसके बारे में सोचने-समझने की आदत विकसित करता है। ऐसी समझ और सूझबूझ से ही चिंतन सम्भव होता है। हम कहे-सुने हुए के तात्कालिक प्रभावों की अनदेखी कर चीजों की तह में जाना सीखते हैं, चमक-दमक के पीछे छिपी असलियत को पहचानने लगते हैं। हम चीजों को वैसा देखना सीख सकते हैं जैसी वे वास्तव में हैं, मनुष्य के बिना हैं। विचारशीलता मनुष्य के स्वास्थ्य और उसकी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। वहीं हर तरह के संबंधों को निभाने और रिश्तों को स्थायित्व देना भी विचारने से ही सम्भव होता है। रिश्ते तभी स्वस्थ रहते हैं जब हम दूसरे की जरूरतों और भावनाओं को समझ सकें और ऐसा तभी सम्भव है जब हममें उन्हें समझने की क्षमता हो। सही निर्णय हेतु दृष्टि में जिस गहराई और सजगता की आवश्यकता होती है वह विचारशीलता से सम्भव होती है।आज के समय में जब मनुष्य के पास तात्कालिक प्रतिक्रिया देने के साधन बहुत ज्यादा हो गए हैं और उसे नकारात्मकता एवं संशय की तरफ धकेलने वाली स्थितियाँ बड़ी हैं इससे संबंधों में संतुलन के लिए जरूरी है कि हम थोड़ा ठहरकर सोचने-समझने की क्षमता विकसित करें। पारस्परिक संबंधों में बड़ी जटिलता को सहज करने हेतु हर कदम सोच-समझकर बढ़ाना आवश्यक हो गया है। संचार के साधनों ने मनुष्य को स्वतन्त्र तो किया है किन्तु संयम रखना भुला दिया है। मनुष्य बातचीत भूलता गया है और एकतरफा प्रतिक्रिया देने का आदी हो गया है। यह आज के समय की मनोवैज्ञानिक समस्या है। हम दूसरे पक्ष को लगभग अनुपस्थित मानकर चलने लगे हैं, हम खाली जगहों की चिन्ता नहीं करते, हमने शब्द उगलते रहने को बतियाना समझ लिया है। विचारशीलता हमें इस तरह की अनेक समस्याओं से बचाती है इस तरह वह बहस और बातचीत एवं लड़ाई और मत भिन्नता के मध्य के अन्तर को समझने की सामर्थ्य हमें देती है। विचारशीलता का सबसे बड़ा लाभ तात्कालिक प्रतिक्रियाओं से बचने की इसकी सम्भावना में है। मनुष्य के सामाजिक जीवन में, रिश्तों-नातों में खटास की सबसे साधारण वजह चीजों पर तात्कालिक प्रतिक्रिया देने की मनुष्य की आदत है। अक्सर द्वेष, प्रतिस्पर्द्धा या बदले की भावना में बहकर मनुष्य बेवजह अनर्गल बोल देता है जिसे लेकर बाद में उसे पछतावा भी होता है। विचारशीलता तत्काल प्रतिक्रिया देने की आदत में प्रतिरोध का काम करती है। इससे मनुष्य करुणापूर्ण दृष्टि से दूसरे की स्थिति को समझने की कोशिश करता है। विचारशीलता भावनात्मक बौद्धिकता को विकसित करती है जिससे आज के समय में होने वाले अनेक प्रकार के तनावों और अवसाद से बचा जा सकता है। विचारशीलता समस्याओं को समझने की दृष्टि देती है जो उनके समाधान की तरफ पहला कदम है। विचारशीलता हमें बेहतर श्रोता बनाती है जो स्पष्ट और खुली बातचीत के लिए आधार बनता है। यह हमें असहमति के दौरान भी दूसरों की भावनाओं और दृष्टिकोणों का ध्यान रखने हेतु प्रेरित करता है। दूसरे का सम्मान करना सिखाता है। इससे संबंधों में खुलापन और स्थायित्व रहता है। विचारशीलता स्थायी संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जीवन के उतार-चढ़ाव में रिश्तों को जोड़े रखने में सीमेंट का कार्य करता है। **(लेखिका-मोनिका भाम्भू कलाना)**

बैतूल प्रकृति और गौमाता का संरक्षण करना हम सभी का दायित्व : विधायक

गौमाता का सम्मान ही प्रकृति का सम्मान हैः विधायक हेमंत खंडेलवाल ने किया गोवर्धन पूजन, 9 पशुपालकों को मिला गोपाल कृष्ण पुरस्कार '

यश भारत, बैतूल। भारत भारती गोशाला में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधि-विधान से किया गोवर्धन पूजन, गौमाता को अर्पित किया गोग्रास, गोपाल कृष्ण पुरस्कार से 9 पशुपालक सम्मानित

गोवर्धन पूजा का पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण, गौमाता के सम्मान और अहंकार त्यागने का महत्वपूर्ण संदेश देता है। हम कितनी भी उन्नति कर लें, लेकिन प्रकृति को कभी नहीं भूलना चाहिए। धरती और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रकृति का सम्मान एवं संरक्षण आवश्यक है। यह बात प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बैतूल श्री हेमंत खंडेलवाल ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर भारत भारती गोशाला में आयोजित जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन कार्यक्रम में कही।

विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के महत्व को समझाती है। उन्होंने कहा कि गौमाता का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। गाय के दूध, गोबर और गोमूत्र से अनेक उपयोगी उत्पाद तैयार किए जाते हैं। गौमाता का संरक्षण और उनसे प्राप्त उत्पादों का सदुपयोग प्रकृति एवं समाज दोनों के लिए लाभकारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रदेश की सभी गौशालाओं में पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य समाज का प्रत्येक व्यक्ति गौशालाओं से जुड़े, उनकी व्यवस्थाओं को समझे और गौसेवा में अपनी सहभागिता निभाए। उन्होंने सभी से गौसेवा एवं प्रकृति संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में भारत भारती गोशाला समिति के



सचिव श्री मुकेश खंडेलवाल ने बताया कि भारत भारती में 200 गोवंशों का पालन किया जा रहा है। यह गोपालन एवं जैविक कृषि का केंद्र है। यहां पंचगव्य का निर्माण भी किया जाता है। उन्होंने गोशाला के संचालन एवं गतिविधियों में सभी से सहभागी बनने का आग्रह किया।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर जिले की सभी गोशालाओं में पूजन कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने विधि-विधान से गोवर्धन भगवान का पूजन एवं आरती की तथा गौमाता को गोग्रास अर्पित किया। इस अवसर पर जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, बुधपाल सिंह, वीरेंद्र तिवारी, गोशाला समिति के सचिव मुकेश खंडेलवाल, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना, उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी सुरजीत सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र तिवारी ने किया।

गोपाल कृष्ण पुरस्कार से 9 पशुपालक सम्मानित

कार्यक्रम में विधायक श्री खंडेलवाल ने गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादन करने वाले 9 पशुपालकों को सम्मानित कर पुरस्कार राशि वितरित की। प्रथम पुरस्कार के रूप में एक-एक लाख रुपये ग्राम भौरा की श्रीमती कल्पना एवं श्री अतुल सोनी, ग्राम हिरवरखेड़ के श्री ज्ञानेश्वर एवं श्री रामराव देशमुख, ग्राम भीमपुर के श्री लवकेश एवं श्री रामचरण आर्य तथा ग्राम खेड़ीसांवलीगढ़ के श्री तरुण एवं श्री नथ्थू वाघमारे को प्रदान किए गए। द्वितीय पुरस्कार के रूप में 50-50 हजार रुपये ग्राम भौरा के श्री धर्मेन्द्र एवं श्री बाबूलाल यादव, ग्राम हिरवरखेड़ के श्री योगराज एवं श्री गोविंदराव महाजन तथा ग्राम भीमपुर के श्री नरेंद्र एवं श्री नागिया मोरले को प्रदान किए गए। इसी प्रकार तृतीय पुरस्कार के रूप में 25-25 हजार रुपये ग्राम हिरवरखेड़ के श्री बलवंत एवं श्री रामप्रसाद कुंभारे तथा ग्राम भौरा के श्री मुन्नालाल एवं श्री रमेश यादव को प्रदान किए गए।

इस अवसर पर विधायक श्री खंडेलवाल ने गौसेवकों तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले पशुपालन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया।

आयुष विभाग में गूंजे वैद्यनाथ के जयकारे... भगवान धन्वंतरि की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा संपन्न, भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



यश भारत, बैतूल। बैतूल धनतेरस के पावन अवसर पर कार्यालय आयुष परिसर टिकारी बैतूल में भगवान धन्वंतरि के अवतरण दिवस को भव्य उत्सव के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भगवान धन्वंतरि की विधि-विधान एवं शास्त्रोक्त मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा कर मूर्ति स्थापना की गई।कार्यक्रम में पूजन एवं हवन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रों की गूंज और हवन की सुगंध से पूरा आयुष परिसर भक्तिमय हो गया। प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ. दीपक कड़वे ने बताया कि विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा पूर्ण हर्षोल्लास के साथ धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर भंडारा एवं प्रसादी का वितरण भी किया गया। साथ ही जिले के समस्त आयुर्वेद औषधालयों में भगवान धन्वंतरि का पूजन-अर्चन कर धनतेरस पर्व धूमधाम से मनाया गया।

बका सहित युवक गिरफ्तार

कटनी, यशभारत। बड़वारा थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर राहगीरों और आम लोगों को डराने.धमकाने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लोहे का धारदार बका बरामद कर उसके खिलाफधारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम नन्हवारा सेझा के मुख्य गेट के सामने सड़क पर एक व्यक्ति लोहे का धारदार बका लहराकर राहगीरों और आम लोगों को डरा.धमका रहा है। सूचना पर बड़वारा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति की जांच की। इस दौरान एक युवक धारदार हथियार लहराते हुए मिला। पुलिस ने युवक को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना नाम माजिद खान 24 वर्ष पिता सद्दू खान निवासी वार्ड क्रमांक 05, उदयपुरा थाना उदयपुरा जिला रायसेन बताया।

4 साल बाद बैतूल में दिखा मौत का हरा शिकारी! वैष्णवी नगर में मिला दुर्लभ बाम्बू पिट वाइपर, सर्पमित्र ने किया सुरक्षित रेस्क्यू '

यश भारत, बैतूल। बैतूल शहर के गऊठाना इलाके के अंतर्गत आने वाले वैष्णवी नगर में मंगलवार के दिन एक बहुत ही दुर्लभ बाम्बू पिट वाइपर सांप देखने को मिला है। लगभग चार साल के लंबे अंतराल के बाद जिले के भीतर इस खास प्रजाति का सांप नजर आया है। यह विषैला सांप मजदूरी का काम करने वाले जीवनलाल विश्वकर्मा के घर के प्रांगण में स्थित बगीचे में दिखाई दिया था। घर के सदस्यों द्वारा तुरंत इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और अपनी सूझबूझ से सांप का पूरी तरह सुरक्षित रेस्क्यू किया।

लगभग ढाई फीट लंबा था यह अनोखा सांप

इस रेस्क्यू को अंजाम देने वाले सर्पमित्र विशाल विश्वकर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह सांप आकार में लगभग ढाई फीट लंबा था। पहली नजर में देखने पर यह एक साधारण हरे रंग के सांप जैसा प्रतीत होता है, लेकिन असलियत में यह एक खतरनाक वाइपर है। विशाल ने आगे यह भी बताया कि बैतूल जिले की सीमाओं के भीतर इस प्रजाति का पिछला रेस्क्यू लगभग वर्ष 2021 या फिर 2022 के दौरान दर्ज किया गया था। उस समय इस सांप को शेख जमाल भाई के द्वारा सुरक्षित पकड़ा गया था। इसके बाद अब सीधे साल 2026 में यह दुर्लभ सांप एक बार फिर से लोगों के सामने आया है।

घनी हरियाली और बांस के झुरमुटों में रहना पसंद करता है यह जीव

बाम्बू पिट वाइपर प्रजाति के सांप आमतौर पर बहुत अधिक घनी वनस्पति, बांस के झुरमुटों, कांटेदार झाड़ियों और ऊंचे पेड़ों की शाखाओं पर वास करते हैं। इस सांप के शरीर का हरा रंग इसे हरी पत्तियों के बीच खुद को पूरी तरह से छिपाने में काफी मदद करता है। यह जीव मुख्य तौर पर सूर्य ढलने के बाद रात के समय अधिक सक्रिय होता है और मेंढकों, छिपकली के साथ-साथ अन्य छोटे-छोटे जीवों को अपना शिकार बनाता है।

कितना खतरनाक और जहरीला होता है बाम्बू पिट वाइपर

इस खतरनाक सांप का वैज्ञानिक नाम ट्राइमेरेसुरस ग्रामिनियस है। यह मुख्य रूप से प्रायद्वीपीय भारत के क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके प्राकृतिक रहवास वाले क्षेत्रों में मुख्य रूप से पश्चिमी और पूर्वी घाट के सघन वन क्षेत्र शामिल हैं। यह नमी से भरे जंगलों, ऊंचे पहाड़ी इलाकों और बहुत घनी हरियाली वाले स्थानों पर रहना सबसे ज्यादा पसंद करता है।

यह एक जहरीला सांप माना जाता है। इसके काटने पर इंसान के शरीर में बहुत तेज दर्द और गंभीर सूजन जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। कुछ विशेष मामलों में खून के जमने की प्रक्रिया बुरी तरह प्रभावित होने और रक्तस्राव जैसी जानलेवा स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। हालांकि, इसे भारत के सबसे घातक सांपों की श्रेणी में रखना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन इसके बावजूद इसका काटना किसी भी मरीज के लिए एक गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थिति जरूर बन जाता है। इस सांप के विष के ऊपर आम तौर पर मिलने वाले सामान्य पॉलीवैलेंट एंटीवेनम की प्रभावशीलता भी पूरी तरह से निश्चित नहीं मानी जाती है।

अपने हरे रंग और हरी झाड़ियों के बीच आसानी से छिप जाने की अद्भुत आदत के कारण इस सांप को बहुत जल्दी पहचान पाना काफी मुश्किल हो जाता है। किसी भी तरह का खतरा महसूस होने की स्थिति में यह अपनी रक्षा के लिए तुरंत काट सकता है। इसलिए यदि आपको कभी भी ऐसा सांप नजर आए तो उसे खुद पकड़ने, छेड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल भी न करें। हमेशा सांप से एक सुरक्षित दूरी बनाकर रखें और तुरंत किसी अनुभवी व प्रशिक्षित सर्पमित्र को इसकी सूचना दें।

वायरल वीडियो ने बढ़ाई मुश्किल! शराब दुकान पर झगड़े में दिखा आरक्षक, एसपी अमित सक्सेना ने किया लाइन अटैच '

यश भारत, बैतूल बैतूल अनुशासनहीनता पर एसपी अमित सक्सेना की सख्त कार्रवाई, लापरवाही बरतने वाले आरक्षक पर गिरी गाज।

बैतूल पुलिस महकमे में अनुशासन, फर्ज के प्रति वफादारी और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिले के पुलिस कप्तान अमित सक्सेना ने सभी अधीनस्थों को सख्त हिदायत दी है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हर कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाए और विभाग की साख को बचाकर रखे। इसी बीच इंटरनेट मीडिया पर एक फुटेज तेजी से वायरल हुआ, जिसने वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इस फुटेज में आठनेर थाना सीमा में आने वाली एक शराब दुकान पर दो गुटों के बीच तीखी बहस और झगड़ा होता नजर आ रहा है। इस पूरे विवाद के दौरान आठनेर थाने में सीसीटीएनएस का काम संभालने वाला आरक्षक प्रवीण धुर्वे मौके पर मौजूद दिखाई दे रहा है।

लापरवाह आरक्षक पर गिरी गाज, पुलिस लाइन भेजा गया

शराब दुकान में हुए झगड़े के वक्त सिपाही की वहां



मौजूदगी को पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना ने बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने तत्काल प्रभाव से कड़ा कदम उठाते हुए आरक्षक प्रवीण धुर्वे को आठनेर थाने से हटाकर पुलिस लाइन बैतूल से संबद्ध कर दिया है। इसके साथ ही पूरी घटना की बारीकी से पड़ताल कराने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। भैंसदेही के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस लोकेश डाबर को इस पूरे मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। उन्हें इंटरनेट पर प्रसारित हो रहे वीडियो साक्ष्यों के आधार पर तीन दिनों के भीतर अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

विभाग की साख बिगाड़ने वालों को मिली कड़ी चेतावनी

पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि महकमे में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता, काम में ढिलाई या खाकी की छवि खराब करने वाले व्यवहार को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के हर सदस्य को पद की गरिमा और कड़े नियमों के दायरे में रहकर ही आचरण करना होगा। अगर कोई भी अधिकारी या कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ बिना किसी रियायत के नियमानुसार सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बैतूल

यूपी के गांजा तस्कर को कोतवाली पुलिस ने दबोचा

बैलट घाट क्षेत्र में गांजे की खेप के साथ पकड़ा गया तस्कर , 40 हजार का गांजा लिए भागने का कर रहा था प्रयास

कटनी, यशभारत। जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। 15 दिवसीय राज्य स्तरीय एंटी नारकोटिक्स विशेष अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक और कार्रवाई करते हुए 3 किलो 720 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने मौके से उत्तर प्रदेश के एक युवक को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 40 हजार रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गयाए जहां से जेल भेजने के आदेश पर जिला जेल कटनी दाखिल कराया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप पुलिस अधीक्षक अजाक अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 7 नवंबर को उप निरीक्षक कुलदीप सिंह पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान बैलट घाट जाने वाले कच्चे रास्ते पर झाड़ियों के पास काली फुल टी.शर्ट पहने



और नीले रंग का पिट्ठू बैग लिए एक युवक बैठा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को पास आता देख युवक भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने तत्परता से घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मोहम्मद रियाज पिता सलामुद्दीन निवासी ग्राम महरे थाना रामगांव जिला बहराइच उत्तर प्रदेश वर्तमान निवासी गडरिया टोला थाना सिविल लाइन जिला सतना बताया। पुलिस ने उसके पिट्ठू बैग की विधिवत तलाशी ली तो उसमें खाकी रंग की सेलो टेप से लिपटा एक बंडल मिला। बंडल खोलने पर उसमें गांजा जैसा पदार्थ पाया गया। पुलिस के अनुसारए स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में परीक्षण और तौल करने पर पदार्थ गांजा पाया गया, जिसका कुल वजन 3.720 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य करीब 40 हजार रुपये आंका गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली कटनी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेजने के आदेश पर उसे जिला जेल कटनी में दाखिल कराया गया।

नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई जारी रहेगी

कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि राज्य स्तरीय एंटी नारकोटिक्स विशेष अभियान के तहत स्मैक, गांजा, नशीली गोलियों और अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफसख्त वैधानिक कार्रवाई करना और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना पुलिस की प्राथमिकता है। अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय, उप निरीक्षक कुलदीप सिंह तथा आरक्षक नवल किशोर, पंजाब सिंह, कोमल शॉ, सौरभ तिवारी, मंसूर हुसैन, मोहन मण्डलोई, दिनेश सेन, अजीत सिंह और रोहित राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

दुष्कर्म के आरोपी को दो घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

न्यायालय के आदेश पर भेजा जेल, झिंझरी पुलिस ने की कार्रवाई

कटनी, यशभारत। माधवनगर थाना क्षेत्र की झिंझरी चौकी पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को अपराध दर्ज होने के महज दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से जेल वारंट जारी होने के बाद उसे जिला जेल कटनी भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्यए उप पुलिस अधीक्षक अनिमेष द्विवेदी एवं माधवनगर थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह यादव के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 5 नवंबर को पीडिता ने माधवनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में उसने आरोप लगाया कि 27 जनवरी को उसका पति घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान आरोपी घर में घुसा और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपी ने उसे डराया धमकाया और कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। लोक लाज के डर से पीड़िता ने शुरुआत में घटना की जानकारी



किसी को नहीं दी। बाद में आरोपी से परेशान होकर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की। मामला दर्ज होने के बाद झिंझरी चौकी पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध दर्ज होने के दो घंटे के भीतर आरोपी विजय पटेल पिता रामसेवक पटेल निवासी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय से जेल वारंट जारी होने पर उसे जिला जेल कटनी में दाखिल कराया गया। इस कार्रवाई में झिंझरी चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेश कुमार दुबे के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक शशिभूषण सिंह, प्रधान आरक्षक राजेश चौधरी, आरक्षक संजय यादव, आरक्षक अजय सिंह और आरक्षक चन्द्रकमल पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित हुई। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी जबलपुर से गिरफ्तार एनकेजे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, न्यायालय में किया पेश

कटनी, यशभारत। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के मामले में फरार आरोपी को एनकेजे पुलिस ने जबलपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय में पेश किया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशनए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 28 अक्टूबर को अस्पताल चौकी कटनी से सूचना मिली कि एक नाबालिग बालिका गर्भवती



अवस्था में शासकीय जिला अस्पताल कटनी में भर्ती है। महिला संबंधी अपराध की आशंका पर महिला थाना को सूचना दी गई। महिला थाना प्रभारी ने अस्पताल पहुंचकर बालिका से पूछताछ की। पूछताछ में बालिका ने अपनी उम्र 18 वर्ष से कम बताई। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी ने करीब दो वर्ष पहले उससे शादी कर शारीरिक संबंध बनाए थेए जिसके कारण वह गर्भवती हुई। बालिका की रिपोर्ट पर संबंधित धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। प्रकरण दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार पतासाजी करते हुए जबलपुर में घेराबंदी कर आरोपी हैरान कोल को अभिरक्षा में लिया। इसके बाद उसे थाना लाकर विधिवत गिरफ्तार किया गया और न्यायालय कटनी में पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक रूपेन्द्र राजपूत, सहायक उप निरीक्षक सहपाल परतेती, आरक्षक अर्पित पटेल, आरक्षक अनिल गौतम और महिला आरक्षक अस्विता ग्वालवंशी की सराहनीय भूमिका रही।





नर्मदा और तटों पर गंदगी और प्रदूषण के जिम्मेवार कौन?

नर्मदापुरम (यश भारत)। लगातार पिछले कई दिनों से, जब से गणेश विसर्जन हुआ हैं, तब से अभी तक नर्मदा और उसके तटों पर कितनी गंदगी फैलाई गई, यदि मापदंड से नापी जाय तो,आप खुद शर्मिंदा हो जाएंगे, और इस गंदगी का ठीकरा, हमने नगरीय प्रशासन पर फोड़ दिया, शासन को बुरे भले वाक्य भी कह दिए क्या वास्तव में जिला प्रशासन इसका जवाबदार हैं, नगरीय प्रशासन ठीक से अपना कार्य नहीं कर रहा हैं, इस आरोप में सत्यता तो हैं, पर सबसे अधिक दोषी हम हैं, अपनी भक्ति और आस्था की आड़ में क्या कर रहे हैं, इसके चिंतन की आवश्यकता हैं, नर्मदापुरम पूरा जिला, अपने धार्मिक कारणों से पूरे देश में जाना जाता हैं, नर्मदा को म प्र की जीवन दायनी भी कहा जाता हैं, वैसे भी प्रदूषण को लेकर नर्मदा पर संकट गहरा रहा हैं, फैक्ट्रियां आ रही हैं, जमीन में वाटर लेवल नीचे चला गया, बोरिंग हो रही हैं, बारिश कम हुई हैं, डेम में पानी की कमी हैं ऐसे में एक मात्र सहारा नर्मदा नदी हैं जो भविष्य के जीवन को बचा सकती हैं।

धार्मिक आस्थाओं की आड़

हमारी आस्था नर्मदा हैं, हम मां की तरह उसकी पूजा अर्चना करते हैं, क्या घर का कचरा नर्मदा में डालेंगे, आज तटों पुराने कपड़े, अन्य सामग्री विसर्जन के नाम पर डाल रहे हैं, आज तटों पर ढेर लगे हुए है, शासन ने मूर्ति विसर्जन के लिए स्थान बनाया था वहां चंद प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया, शासन कैसे दोषी हुआ, सख्ती की हम धार्मिक आस्थाओं की दुहाई देने लगे, क्या हमारे धर्म गुरु,इसकी वास्तविकता अपनी कथाओं में अवश्य करेंगे, क्या नर्मदा में विसर्जन से वाक्य पुण्य मिलता हैं, यह स्थिति में समझना पड़ेगा वरना भविष्य में हमारी मां नर्मदा कथाओं तक सीमित रह जाएगी।

जलीय जीव जंतु पर संकट

नर्मदा नदी में ऐसे ऐसे जीव हैं जो केवल नर्मदा के जल में ही पाए जाते हैं, वो आज विलुप्त हो रहे हैं, जो नर्मदा के जल को स्वच्छ रखने में सहायक होते हैं, उन्हें पहले ही शिकार कर कम कर दिया गया हैं, आज जो पूजन सामग्री, गंदगी, प्रदूषण नर्मदा जल में डाला जा रहा हैं, वह जलीय जीवो के लिए जहर हैं, आने वाले वर्षों में कोई भी जलीय जन्तु नर्मदा में बचेगा ही नहीं।

जल का प्रदूषण का प्रभाव

नर्मदा जल में लगातार, जिस तरह से प्रदूषण बढ़ रहा उसने आस पास के गांव में इसका असर दिखने को भी लगा हैं, प्रदूषण के कारण पेट की बीमारियों ने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए हैं, तरह तरह की पानी से होने वाली बीमारियां पनपने लगी हैं, इसका असर जानवरों पर भी दिख रहा हैं, गाँव में जानवर नर्मदा जल पीते हैं उसका असर उसके दूध पर पड़ रहा हैं, और वो दूध हम पीते हैं उसका हम पर भी होगा7

जनप्रतिनिधियों से उम्मीद

हमारे जनप्रतिनिधियों की भी जवाबदारी हो जाती हैं, शासन को कार्यवाही करने की छूट दे, ऐसे आयोजन पर नियंत्रण लगाए जो नर्मदा को प्रदूषित कर रहे हैं, ऐसे योजना को बढ़ावा दे जो नर्मदा के पानी को नुकसान न पहुंचाएं, कुछ सख्ती करनी पड़ेगा, धार्मिक आस्थाओं की आड़ में चल रहे पाखण्ड को रोकने के लिए नियम बनाने पड़ेंगे 7धर्म गुरुओं को भी आगे आना पड़ेगा।

तेज रफ्तार ट्रेनों के सुरक्षित संचालन के लिए पश्चिम मध्य रेलवे की बड़ी पहल

बुधनी बरखेड़ा घाट सेक्शन में 4 एनिमल ओवर पास निर्मित




नर्मदापुरम। पमरे भोपाल मंडल के द्वारा रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित, संरक्षित एवं निर्बाध बनाने तथा रेलवे ट्रैक पर मवेशियों के प्रवेश से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर संरक्षा संबंधी कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में खंडवा से बीना तक रेलखंड के दोनों ओर कुल 530 किलोमीटर लंबाई में सुरक्षा घेरा (फेंसिंग) लगाने की महत्वाकांक्षी योजना पर कार्य किया जा रहा है।इस योजना के तहत अब तक कुल 74 किलोमीटर सुरक्षा घेरा लगाने का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसमें खंडवा-इटारसी रेलखंड पर 49 किलोमीटर, इटारसी-भोपाल रेलखंड पर 4 किलोमीटर तथा भोपाल-बीना रेलखंड पर 21 किलोमीटर का कार्य शामिल है। पूर्ण किए गए कार्य पर लगभग 2.88 करोड़ रुपये की लागत आई है। शेष कार्य को तेजी से पूरा करते हुए मार्च 2027 तक संपूर्ण 530 किलोमीटर सुरक्षा घेरा तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बुधनी-बरखेड़ा घाट सेक्शन में 4 एनिमल ओवरपास निर्मित

मवेशियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने तथा उन्हें रेलवे ट्रैक पर आने से रोकने के लिए बुधनी -बरखेड़ा घाट सेक्शन में कुल 4 एनिमल ओवरपास का निर्माण भी पूरा किया जा चुका है। इनमें 3 ओवरपास अप लाइन तथा 1 ओवरपास मिडिल लाइन में निर्मित किए गए हैं। इन विशेष संरचनाओं के माध्यम से मवेशियों को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया गया है।भोपाल मंडल में 130 किलोमीटर प्रति घंटे एवं उससे अधिक गति से ट्रेनों के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन की दिशा में ये कार्य विशेष महत्व रखते हैं। रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा घेरा और उपयुक्त स्थानों पर एनिमल ओवरपास की व्यवस्था से मवेशियों के ट्रैक पर पहुंचने की आशंका कम होगी। इससे ट्रेनों के परिचालन में अनावश्यक व्यवधान, संभावित दुर्घटनाओं तथा रेलवे परिसंपत्तियों को होने वाले नुकसान की रोकथाम में मदद मिलेगी।सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि भोपाल मंडल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक, बेहतर आधारभूत संरचना एवं प्रभावी संरक्षा उपायों के माध्यम से रेल परिचालन को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

त्यौहार पर शासन के नियमों में भेद भाव

छोटे व्यापारियों को दबाने की कोशिश, बड़े व्यापारियों को संरक्षण

सोहागपुर(यश भारत)।



शहर में अतिक्रमण और बाजार व्यवस्था को लेकर बनाए गए नियम केवल गरीबों और छोटे दुकानदारों पर ही सख्ती से लागू होते नजर आ रहे हैं, जबकि बड़े व्यापारियों के रसूख के आगे प्रशासन की आंखें बंद हैं। प्रशासन के इस दोहरे रवैये से स्थानीय जनता और छोटे व्यापारियों में भारी आक्रोश पनप रहा है।

छोटे दुकानदारों ने किया पालन- प्रशासन द्वारा छोटे और फुटकर दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई है कि उन्हें जितनी जगह आवंटित की गई है, वे उससे एक इंच भी बाहर अपना दायरा नहीं बढ़ाएं। नियमों का हवाला देकर इन छोटे कारोबारियों पर लगातार दबाव बनाया लगातार जा रहा है। हर दिन अपनी रोजी-रोटी कमाने वाले इन व्यापारियों के लिए यह फरमान किसी मुसीबत से कम नहीं है, लेकिन फिर भी वे चालान और जब्ती के डर से प्रशासन के हर निर्देश का पालन करने को मजबूर हैं।

बड़े व्यापारियों को छूट- शहर के रसूखदार व्यापारियों के लिए जैसे सारे नियम शिथिल हो गए हैं। अधिकांश बड़े ज्वेलर्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान के शोरूम संचालकों और अन्य बड़े व्यापारियों ने अपनी दुकानों के आगे बड़े-बड़े टेंट लगाकर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। इन टेंटों के नीचे खुलेआम सामान रखा रहा ,जिससे रास्तों पर भी प्रभाव रहा , यह पहली बार नहीं हैं कि, स्थानीय प्रशासन पर इस तरह के आरोप लगे हैं, पूर्व में भी, इस तरह से छोटे और बड़े व्यापारियों के बीच भेद भाव होता रहा हैं। वो चाहे अतिक्रमण हो या फिर त्यौहार का बाजार?

पुलिस ने 3 युवकों को दो चाकू सहित एक तलवार के साथ किया गिरफ्तार

नर्मदापुरम/ सोहागपुर।



जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी अरविंद शाह के कुशल नेतृत्व में सेमरी हरचंद चौकी प्रभारी विवेक यादव और उनकी टीम ने 3 युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से 2 चाकू ओर एक तलवार जब्त करने में सफलता प्राप्त की है।तीनों पर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।चौकी प्रभारी सेमरी हरचंद उप निरीक्षक विवेक यादव ने बताया कि भ्रमण के दौरान तीन व्यक्ति एक मोटर सायकल क्र. स्क्र05-स्ख्र-3215 पर हथियार लेकर गुराड़िया से सेमरी हरचंद की और आते दिखाई देने की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पीछा करते हुए तीनो व्यक्तियों पूनम मौर्य,मोंटी वंशकार , रूपेश वंशकार को मोटर सायकल सहित पकड़ा। जिनकी तलाशी लेने पर दो चाकू सहित एक तलवार जब्त की गई। मोटर सायकल MP-05- ME - 3215 हीरो कंपनी की स्प्लेण्डर गाड़ी को जप्त किया गया ।आरोपियो के विरूद्ध थाना सोहागपुर में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया । उक्त कार्यवाही मे उपनिरीक्षक विवेक यादव, आरक्षक अखिलेश भिलाला, आरक्षक अतुल शर्मा, आरक्षक राजेन्द्र तोमर, एफआरबी पायलेट अशोक, राहुल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रेल पेंशनरों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर आयोजित



नर्मदापुरम/इटारसी। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा रेल सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (छ्रष्ट 5.0) अभियान के अंतर्गत 10 नवम्बर को भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, इटारसी में विशेष शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने एवं बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इस दौरान 45 से अधिक पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए गए।कार्यक्रम में एसबीआई मुख्य शाखा के शाखा प्रबंधक सुजीत, सेवानिवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन के रामशरण प्रजापति एवं याकूब अली उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में इटारसी के सभी कल्याण निरीक्षकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई तथा पेंशनरों को आवश्यक सहयोग एवं तकनीकी सहायता प्रदान की।

पुलिस ने 10 जुआरियों को दबोचा 32 हजार 200 नगदी जब्त



नर्मदापुरम/ सोहागपुर। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी अरविंद शाह के कुशल नेतृत्व में सोहागपुर थाना टी आई गिरीश त्रिपाठी और उनकी टीम ने 10 जुआरियों को गिरफ्तार कर 30 हजार 200 रुपए की नगदी जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि माता पुरा वार्ड में भूरा प्रजापति के मकान के ऊपर कमरे में ताश पत्तों पर रुपयों-पैसों से हारजीत का दांव लगाकर कुछ लोगों द्वारा जुआ खेलने की मुखबिर सूचना प्राप्त हुई थी। जिस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जुआ मौके से कल्लू प्रजापति,गोवर्धन प्रजापति यशवंत प्रजापति,किशोरी प्रजापति, वीरन लाल प्रजापति, कृष्ण कुमार अहिरवार, गुड्डन साहू ,शेर उर्फ जगदीश कहार, परसराम प्रजापति, मकान मालिक भूरा उर्फभूरी प्रजापति को गिरफ्तार किया गया है। सभी 10 आरोपियों से कुल नगदी 30,200 रुपये एवं 52 ताश के पत्ते जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 700/ 20206 धारा 13, 3 जुआ एक्ट के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।



रात 3 बजे अचानक फर्नीचर दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

नर्मदापुरम /पिपरिया/बनखेड़ी। सोमवार-मंगलवार की रात करीब 3 बजे बनखेड़ी पिपरिया रोड पर स्थित एक फर्नीचर दुकान में आग लग गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि आग दुकान की तीसरी मंजिल पर लगी थी। आसपास के लोगों ने जब आग की लपटे देखी तो पुलिस ओर फायर बिग्रेड को सूचना दी।बताया गया कि आग की लपटे इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। थोड़ी देर में पिपरिया ओर बनखेड़ी की दमकलें मौके पर पहुंची।लगभग एक घंटे में आग पर काबू पाया गया। तत्संबंध में बनखेड़ी थाना प्रभारी विजय सनस ने बताया कि लकी फर्नीचर के मालिक और फरियादी धीरज विश्वकर्मा की सूचना पर राजस्व विभाग की रिपोर्ट और फरियादी के बयान के आधार पर केस दर्ज किया है। बताया गया कि इस घटना में लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर खाक हो गया। वास्तविक नुकसान का आकलन अभी नहीं किया गया है।



पिपरिया पुलिस ने हत्या के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

6 घंटे के भीतर पुलिस ने किया मामले का खुलासा



नर्मदापुरम/ पिपरिया। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में पिपरिया थाना टी आई आदित्य सेन और उनकी टीम ने एक हत्या के मामले का खुलासा 6 घंटे के भीतर करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि पुलिस को 9 नवंबर सुबह को सूचना मिली कि ग्राम खापरखेड़ा के मोगिया मोहल्ले में ग्राम निवासी ओमकार उर्फगोटू पटेल उम्र 54 वर्ष का रक्तरंजित शव सड़क किनारे पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची एवं जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक ओमकार उर्फगोटू पटेल शराब पीने का आदी था। मृतक 8 एवं 9 नवंबर की दरमियानी रात करीब 11 से 12 बजे मृतक ग्राम के मोगिया मोहल्ले में शराब के नशे में गाली-गलौच कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के संतोष कहार एवं बाबूलाल कहार से उसका विवाद हो गया। इसी दौरान संतोष कहार ने सब्बल से मृतक के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण में आरोपी संतोष कहार, बाबूलाल कहार के विरुद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 103 (1), 3(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी पिपरिया आदित्य सेन, उनि अमित भारद्वाज, उनि मानिक सिंह भट्टी, उनि सुशील कुशवाहा, प्र.आर. उपेन्द्र दुबे, आर. शुभम वर्मा, आर. सनेह साहू, आर. राधेश्याम सहित थाना पिपरिया पुलिस टीम की सराहनीय योगदान रहा।

स्टेशन रोड थाना पुलिस की कार्रवाई

पुलिस टीम ने 10 घटे के भीतर किया नकबजनी के आरोपी को गिरफ्तार





नर्मदापुरम/पिपरिया। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में स्टेशन रोड थाना टी आई महेंद्र सिंह बघेल और उनकी टीम ने नकबजनी मामले का 10 घंटे में पर्दाफाश करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि भारत फायनेंशियल इंक्लूजन (बैंक) पिपरिया के प्रबंधक राजकुमार यादव ने थाने में आकर सूचना दी कि 9-10 नवंबर की दरम्यानी रात किसी अज्ञात चोर ने बैंक का ताला तोड़ कर बैंक के अंदर रखी तिजोरी का ताला तोड़ने का प्रयास किया।बैंक के अंदर से 2 नग लिनेवो कंपनी के टेबलेट चोरी कर लिये है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड पिपरिया में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध नकबजनी करने संबंधी धाराओं 305 (ए), 331 (4) बी. एन. एस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।थाना प्रभारी स्टेशन रोड पिपरिया द्वारा अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पृथक पृथक टीमें बनाकर आरोपी की खोजबीन शुरु की गई । टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए आस पास के लगभग 25 सी.सी.टी.व्ही कैमरों के फुटेज, घटना स्थल पर मिले भौतिक एवं तकनीकि साक्ष्यों को एकत्रित कर संदेह के आधार पर नितिन उर्फ सेंडा निवासी गली नं.एक टावर मोहल्ला पिपरिया को चिन्हित करते हुए आभिरक्षा में लिया गया ।जो कि घटना अवधि में बैंक तरफसे आते जाते संदिग्ध गतिविधि करते दिखाई दिया था ।तथा जिस पर पूर्व से चोरी,नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। संदिग्ध नितिन उर्फसेंडा से घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ की गई। जो कि आरोपी द्वारा बैंक की पीछे वाली दीवार में लगे पाईप के सहारे बैंक की छत पर चढ़ कर बैंक में प्रवेश कर ताला तोड़ कर नकबजनी करना स्वीकार किया। विधिपूर्वक कार्यवाही करते हुये आरोपी के कब्जे से चोरी किये हुये दो नग टेबलेट कीमती करीबन 70 हजार रूपये बरामद किये गये है। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से अन्य चोरी के अपराधो के संबंध में भी गहनता से पूछताछ की जा रही है कार्रवाई उपरांत आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा। पुलिस ने बताया कि आरोपी थाना क्षेत्र का निगरानी बदमाश है इसके विरुद्ध थाना स्टेशन रोड पिपरिया में करीब 1 दर्जन चोरी व नकबजनी के अपराध पंजीबद्ध है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक महेन्द्र सिंह बघेल, उ.नि राजेन्द्र सिंह कुशवाहा, उ.नि जी.एस ठाकुर, प्र.आर. प्रकाश, आर. अजय चौहान,आर. प्रभाकर, आर. अभिषेक, आर. संजय एवं सायबर सेल से आरक्षक प्रशांत राजपूत की सक्रिय भूमिका रही।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई



नर्मदापुरम। पुलिस कप्तान दीपक शुक्ला द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमे जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं साझा कीं और उनके निराकरण की मांग की। आज की जनसुनवाई के दौरान कुल 22 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी मामले, महिलाओं व बच्चों सबंधी अपराधों, वित्तीय धोखाधड़ी एवं अन्य व्यक्तिगत शिकायतें शामिल थीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को अत्यंत गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को संबंधित प्रकरणों में तत्काल जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आर्ष गुरुकुल में ,गौशाला पहुंच कर की गौ सेवा

गायों का पूजन कर हरा चारा, गुड़ एवं पशु आहार खिलाया,



नर्मदापुरम(यश भारत). मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप प्रदेशभर में गोवर्धन पूजन का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नर्मदापुरम जिले की शासकीय एवं अशासकीय गौशालाओं में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने नर्मदापुरम स्थित आर्ष गुरुकुल की गौशाला पहुंचकर विधि-विधान से गायों का पूजन किया तथा उन्हें हरी घास, गुड़ एवं पशु आहार खिलाकर गौ सेवा की। उन्होंने संपूर्ण गौशाला का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं एवं गोवंश के रखरखाव की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने गौशाला में गौवंश को उपलब्ध कराए जा रहे पशुआहार आदि की भी जानकारी ली। उन्होंने उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग एवं गौशाला संचालक से शासन द्वारा गौशालाओं को उपलब्ध कराए जा रहे अनुदान के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने कहा कि गुरुकुल शिक्षा, गौ सेवा, धार्मिक परंपराओं एवं प्राकृतिक वातावरण का अनूठा संगम है। यहां भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं का जीवंत स्वरूप देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता गौ संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में विशेष प्रयास करना है। इसके लिए गौशालाओं में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के साथ गौ सेवा को प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। इस दौरान विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलेक्टर का स्वागत एवं विदाई की। कलेक्टर ने गुरुकुल में उपलब्ध गोवंश की संख्या, गौशाला की व्यवस्थाओं तथा शिक्षा पद्धति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। गुरुकुल के संचालक एवं महंत आचार्य जगत देव नैष्ठिक ने बताया कि आर्ष गुरुकुल लगभग 115 वर्ष पुराना है। यहां संचालित गौशाला में गायों की नियमित सेवा एवं देखभाल की जाती है, जिनमें कुछ निराश्रित गोवंश भी शामिल हैं। यहां वैदिक परंपराओं के अनुरूप विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जाती है।

गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने 107 रन से जीता मुकाबला, अरमान ने बनाए 134 रन



जबलपुर , यशभारत। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट एवं गोलबाजार क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में शहीद स्मारक गोलबाजार मैदान पर अंडर-16 इंटर क्लब लीग क्रिकेट प्रतियोगिता गोलबाजार कप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत गोलबाजार क्रिकेट अकादमी और ओएफके क्रिकेट अकादमी के बीच खेले गए 25-25 ओवर के मुकाबले में गोलबाजार क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 107 रनों से जीत दर्ज की। मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की टीम ने निर्धारित 25 ओवर में शानदार 279 रन बनाए। टीम की ओर से अरमान ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 134 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। वहीं मनोनीत नाथन ने 40, मोक्ष शुक्ला ने 32 और अमन ने नाबाद 25 रनों का योगदान दिया। ओएफके क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए नक्श गौतम ने 3, विहान ने 2 और अर्णव ने 1 विकेट हासिल किया।280 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओएफके क्रिकेट अकादमी की टीम 172 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सार्थक ने 66, आराध्य ने 37 और मयंक ने 22 रन बनाए। गोलबाजार क्रिकेट अकादमी की ओर से आर्थिक तिवारी ने 2 विकेट लिए, जबकि मनोनीत नाथन, ओजस्व और केशव ने 1-1 विकेट हासिल किया। शानदार शतकीय पारी खेलने वाले अरमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में दमखम दिखाएंगे 26 जिलों के खिलाड़ी

जबलपुर , यशभारत। 5वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 13 नवंबर तक एमएलबी खेल परिसर में किया जाएगा। मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 26 जिलों के लगभग 750 खिलाड़ी एवं खेल अधिकारी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, वहीं बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन मध्यप्रदेश टीम के लिए किया जाएगा।संघ के सचिव संजय यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ की मान्यता प्राप्त इकाइयां भाग लेंगी। इसमें भोपाल, रायसेन, मंडला, नरसिंहपुर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, होशंगाबाद, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, मऊगंज, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, पांढुर्णा, बैतूल, पन्ना, विदिशा, सिवनी, कटनी, सीहोर और मेजबान जबलपुर की टीमें शामिल होंगीप्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 21 से 25 नवंबर तक गुजरात के बड़ौदा में आयोजित होने वाली 45वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस लिहाज से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। प्रतियोगिता के उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाटन क्षेत्र के विधायक अजय विश्नोई होंगे, जबकि अध्यक्षता मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह करेंगे। आयोजन को सफल बनाने में मध्यप्रदेश एमेच्योर खो-खो संघ के पंडित योगेंद्र दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, चंद्रशेखर स्वामी, नैंसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन, शुभम काछी, विवेक यादव और अरुण काछी की भूमिका रहेगी।



आईपीएल में 2028 से दो नई टीमों की एंट्री की तैयारी, पुणे और वडोदरा सबसे आगे,12 टीमों का हो सकता है टूर्नामेंट

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का दायरा एक बार फिर बढ़ने की तैयारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वर्ष 2028 से आईपीएल में दो नई फ्रेंचाइजी शामिल करने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। ऐसा होने पर लीग में टीमों की संख्या मौजूदा 10 से बढ़कर 12 हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नई टीमों को शामिल करने की दौड़ में महाराष्ट्र का पुणे और गुजरात का वडोदरा सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में अभी शुरुआती स्तर पर चर्चा चल रही है और बीसीसीआई की ओर से कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का प्रस्तावित विस्तार वर्ष 2028 से 2032 के अगले मीडिया राइट्स चक्र के साथ हो सकता है। नई फ्रेंचाइजी को लेकर घरेलू कारोबारी समूहों के साथ अंतरराष्ट्रीय निवेश कंपनियां भी दिलचस्पी दिखा रही हैं। यूरोपीय बायआउट फंड परमीरा, अमेरिकी फैमिली ऑफिस और मिडिल ईस्ट के सॉवरेन वेल्थ फंड संभावित निवेशकों में शामिल बताए जा रहे हैं। अनुमान है कि प्रत्येक नई फ्रेंचाइजी का मूल्यांकन एक अरब डॉलर से अधिक हो सकता है। हाल के वर्षों में आईपीएल टीमों में हुए बड़े निवेश ने लीग के व्यावसायिक महत्व को और बढ़ाया है।

पुणे का आईपीएल से पुराना नाता नई टीम के लिए पुणे को मजबूत दावेदार माना जा रहा है। इस शहर का आईपीएल से पहले भी जुड़ाव रहा है। पुणे वॉरियर्स इंडिया ने 2011 से 2013 तक और राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने 2016 तथा 2017 में आईपीएल में हिस्सा लिया था। इस दौरान शहर में क्रिकेट के प्रति दर्शकों की अच्छी रुचि और खेल से जुड़ा व्यावसायिक माहौल विकसित हुआ। यही वजह है कि पुणे को एक बार फिर फ्रेंचाइजी का मजबूत केंद्र माना जा रहा है।



वडोदरा को भी मिल सकता है मौका

गुजरात का वडोदरा भी नई फ्रेंचाइजी की दौड़ में प्रमुख दावेदार है। अहमदाबाद के नजदीक होने और गुजरात में खेल सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं के चलते इस शहर को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देश में अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजनाओं के बीच वडोदरा को बड़े खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएं भी देखी जा रही हैं।

अगले मीडिया राइट्स से रिकॉर्ड कमाई की उम्मीद

आईपीएल के 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स से बीसीसीआई को करीब 48 हजार करोड़ रुपए मिले थे। क्रिकेट जगत के जानकारों का मानना है कि 2028 से शुरू होने वाले नए मीडिया राइट्स चक्र में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। दो नई टीमों के जुड़ने से मैचों की संख्या, दर्शकों की पहुंच और प्रसारण अधिकारों का व्यावसायिक मूल्य बढ़ने की संभावना है। गौरतलब है कि वर्ष 2021 में लखनऊ और अहमदाबाद की टीमों को शामिल किए जाने के बाद आईपीएल में 10 फ्रेंचाइजी खेल रही हैं। अब 2028 से दो और टीमों को जोड़ने की योजना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, पुणे और वडोदरा के नाम अभी संभावित दावेदारों के तौर पर ही सामने आए हैं। अंतिम फैसला बीसीसीआई की औपचारिक प्रक्रिया के बाद ही स्पष्ट होगा।

अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट

सेमीफाइनल भारत और अफगानिस्तान के बीच

अल अमेरात, एजेंसी। अंडर-19 एशिया कप 2026 में भारतीय युवा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएई को 70 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल अमेरात में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 309 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम की इस बड़ी उपलब्धि के नायक पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग रहे, जिन्होंने 168 गेंदों में 160 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में यूएई की पूरी टीम निर्धारित 50 ओवर में 239 रन बनाकर आउट हो गई। अब खिताबी मुकाबले में पहुंचने के लिए भारत को अफगानिस्तान की चुनौती का सामना करना होगा। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय टीम ने इस मैच में दमदार वापसी की है।



भारतीय प्रशंसकों की निगाहें अब सेमीफाइनल पर टिकी हैं। यदि भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल में पहुंचती हैं, तो एक बार फिर दोनों देशों के बीच खिताबी भिड़ंत देखने को मिल सकती है। ऐसे में भारतीय युवा खिलाड़ियों के पास लीग चरण की हार का हिसाब बराबर करने का भी मौका होगा। यूएई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही संभलकर खेलते हुए रन गति बनाए रखी। आर्यवीर सहवाग ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए यूएई के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। उन्होंने अपनी 160 रन की पारी में शानदार शॉट लगाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दूसरे छोर पर वीके वनीत ने भी बेहतरीन सहयोग दिया। उन्होंने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच शानदार तालमेल की बदौलत भारतीय टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 310 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की और लगातार विकेट निकालकर विपक्षी टीम को दबाव में रखा। यूएई के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। एक समय टीम 141 रन तक अपने छह प्रमुख बल्लेबाज गंवा चुकी थी। इसके बाद भी यूएई के बल्लेबाजों ने मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनका संघर्ष ज्यादा देर तक नहीं चल सका। यूएई की ओर से अहमद खुदादार ने 74 गेंदों में 74 रन बनाकर संघर्ष किया। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। पूरी टीम 50 ओवर में 239 रन पर सिमट गई।

अब श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी, चौथे और पांचवें वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलेंगे

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा जारी है। इस वक्त वनडे सीरीज खेली जा रही है। इसके तीन मैच हो गए हैं और दो बाकी हैं। टीम इंडिया दो मैच जीतकर सीरीज में बढ़त बना चुकी है। तीसरा मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। अब बाकी दो मैचों के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड में बदलाव हो गया है। इसका ऐलान बीसीसीआई ने पहले ही कर दिया था। आखिर के दो वनडे मैचों में टीम की कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा इन मैचों में खेलेंगे या फिर बाहर रहेंगे।



इस वक्त भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। पहले दो मैच जीतकर भारत ने बढ़त बना ली है, तीसरा मैच बारिश के कारण रद हो गया। बाकी दो मैचों में शुभमन गिल टीम का साथ छोड़कर जा रहे हैं। उनकी जगह श्रेयस अय्यर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। दरअसल इस वनडे सीरीज के बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज भी खेली जानी है, जिसमें ज्यादा वक्त नहीं है। ऐसे में शुभमन गिल टेस्ट की तैयारी के लिए जा रहे हैं और बाकी दो वनडे नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई ने पहले ही इसका ऐलान कर दिया था, ईशान किशन को उपकप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच बात अगर विराट कोहली और रोहित शर्मा की बात की जाए तो वे दोनों इस सीरीज के बाकी मैचों में भी खेलेंगे। कोहली और रोहित अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेलते हैं, वे केवल वनडे टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में दोनों प्लेयर्स बाकी बचे दो मैच खेलकर वापस आ जाएंगे। लेकिन टेस्ट के लिए जो टीम चुनी गई है, वो वहीं पर रहेंगी। सीरीज का पहला मुकाबला 19 नवंबर से शुरू होगा और 24 नवंबर तक चलेगा, जो ?वेलिंग्टन में खेला जाएगा। इसके बाद सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच 27 नवंबर से शुरू होकर 2 दिसंबर तक चलेगा। क्राइस्टचर्च में होने वाले इस मुकाबले के तुरंत बाद सीजीज का समापन हो जाएगा। चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारत की वनडे टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, रुतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

रंग संसार

अहान शेट्टी की सनकी को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह



मुंबई, यश भारत। बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी के सुपुत्र और नवोदित अभिनेता अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म सनकी को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह है। इस एक्शन और रोमांस से भरपूर फिल्म में अब खूबसूरत अभिनेत्री मेधा राणा की भी एंट्री हो गई है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अभिनेत्री मेधा अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा इससे पहले फिल्म बॉर्डर 2 में वरुण धवन के साथ नजर आई थीं। बॉर्डर 2 की शानदार सफलता के बाद मेधा अपनी अगली फिल्म को लेकर काफी सोच-समझकर फैसला लेना चाहती थीं। वह किसी ऐसी बड़ी फिल्म का इंतजार कर रही थीं, जिसमें उन्हें कुछ अलग और दमदार करने का मौका मिले। जब उन्हें सनकी की कहानी सुनाई गई, तो उन्हें लगा कि यह वही फिल्म है, जिसका वह इंतजार कर रही थीं। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा।



मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले। पिछले दो महीनों से चल रही उनकी तैयारियां भी इसी किरदार को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि बॉर्डर 2 में अहान और मेधा अलग-अलग कलाकारों के साथ नजर आए थे, लेकिन अब दोनों पहली बार सनकी में एक-दूसरे के साथ रोमांस करते दिखाई देंगे। ऐसे में पर्दे पर दोनों की जोड़ी को देखना काफी दिलचस्प होने वाला है। सनकी की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और यह फिल्म 2027 में रिलीज होने वाली सबसे चर्चित एक्शन फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

नाइट टी-शर्ट पहने मुंबई की सड़क पर दौड़ती रही करीना, चिल्ला रही- रुको, रुको

-सैफ अली पर हुए चाकू से हमले की कॉफी विद करण शो में सुनाई डरभरी दास्तां

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर ने जनवरी 2025 को उनके पति, अभिनेता सैफ अली खान को चाकू से हुए हमले का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय वह अपनी नाइट टी-शर्ट पहने ही मुंबई की सड़क पर दौड़ पड़ी थीं और किसी तरह एक ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश कर रही थीं। कॉफी विद करण के लेटेस्ट एपिसोड में उन्होंने बताया कि हमले के बाद सैफ खून से लथपथ थे और वह गाड़ियों को रोकने के लिए चिल्ला रही थीं। सैफ और करीना ने उस हमले, उस पर उनके बच्चों की प्रतिक्रिया और परिवार पर पड़े भावनात्मक असर के बारे में बताया।



सैफ ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने छोटे बेटे जेह को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया, वहीं करीना ने खुलासा किया कि इस घटना के बाद करीब छह महीने तक वह ठीक से सो भी नहीं पाई थीं। सैफ ने बताया कि करीना उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए गाड़ी की तलाश में घर से बाहर दौड़ पड़ीं। उन्होंने उस रात करीना के हुलिए और उनके नाइट टी-शर्ट में बाहर दौड़ने को लेकर मज़ाक भी किया। करीना कपूर खान ने सैफ अली खान पर हुए चाकू के हमले की उस खौफनाक घटना के बारे में बताया। लोगों को लगा कि शायद करीना ने ही सैफ को चाकू मारा है, और वे पूछने लगे कि घर पर कोई नौकर क्यों नहीं था।

वहीं तैमूर ने अपने अब्बा से पूछा, क्या आप मरने वाले हैं? यह सुनकर दिल टूट जाता है। पूरी घटना बहुत डरावनी थी। करीना ने कहा कि मैंने अपनी नाइट टी-शर्ट पहनी हुई थी। किस्मत से किसी ने इसका वीडियो नहीं बनाया। मैं सड़क पर चिल्ला रही थी- रुको, रुको! यह बिल्कुल किसी फिल्म के सीन जैसा था। मेरे पास पजामा पहनने का भी समय नहीं था। मैं सड़क पर दौड़ पड़ी। यह बात किसी को नहीं पता, मैं पहली बार बता रही हूं। ऑटो-रिक्शा रोकने की कोशिश करते समय उन्होंने क्या पहना था, इस बारे में करीना ने आगे बताया, मैंने सच में बस एक टी-शर्ट पहनी थी जो काफी छोटी थी और मैं किसी पागल औरत की तरह सड़क पर दौड़ रही थी, बस एक रिक्शा मिल जाए, जबकि सैफ खून से लथपथ थे। सैफ ने मज़ाक में कहा कि उनकी टी-शर्ट बहुत छोटी थी और अगर उसका वीडियो बन जाता तो वह काफी चर्चा में रहता। हालाँकि, परिवार के लिए वह रात बेहद डरावनी थी।करीना ने बताया कि उन्होंने लिफ्ट के अंदर सैफ को बुरी तरह घायल हालत में देखा था। उन्होंने कहा कि मैंने लिफ्ट में सैफ को देखा और कहा, सैफ, ऐसा मत करो। तभी तैमूर ने उनकी तरफ देखा और पूछा, अब्बा, क्या आप मरने वाले हैं?



बेटे करण के साथ पिता धर्मेंद्र की पसंदीदा जगह पर पहुंचे सनी देओल, हुए भावुक

मुंबई, यश भारत। अभिनेता सनी देओल अपने पिता और दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र के साथ बेहद खास रिश्ता साझा करते थे। हाल ही में, सनी देओल अपने पिता की यादों से जुड़ी एक बेहद खास जगह पर पहुंचे, जहां धर्मेंद्र अपना खाली समय बिताना पसंद करते थे। इस दौरान सनी के साथ उनके बेटे करण देओल भी मौजूद रहे। यहां पहुंचकर सनी अपने दिवंगत पिता को याद कर भावुक हो गए और उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा किया है। सनी देओल ने अपने फार्महाउस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ खेतों में खड़े नजर आ रहे हैं। वीडियो में दोनों पिता-पुत्र खेती से जुड़े कामों को देख रहे हैं। इस दौरान सनी इस जगह को अपने पिता का फार्म बताते हुए सुनाई देते हैं, जो उनकी आवाज़ में भावनात्मक जुड़ाव को स्पष्ट करता है। इस वीडियो को और भावनात्मक बनाने के लिए, सनी ने अपनी फिल्म अपने का टाइटल सॉन्ग भी लगाया, जिसने दर्शकों के बीच गहरी संवेदना पैदा की। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में सिर्फ तीन शब्द लिखे, मिसिंग यू पापा, जो उनके पिता के प्रति गहरे प्यार और सम्मान को दर्शाता है।

दरअसल, यह फार्महाउस महाराष्ट्र की लोनावला और खंडाला की पहाड़ियों के बीच स्थित है। मुंबई के फिल्मी माहौल और भागदौड़ से दूर, करीब 100 एकड़ में फैली इस संपत्ति को धर्मेंद्र अपना सुकून भरा ठिकाना मानते थे।

मां बनने की प्रबल इच्छा ज़ाहिर की आम्रपाली दुबे ने

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस-20 शो के दौरान भोजपुरी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने अपनी जिंदगी के एक बेहद निजी और भावनात्मक पहलू पर खुलकर बात की है। आम्रपाली ने शो के दौरान मां बनने की अपनी प्रबल इच्छा ज़ाहिर की। उन्होंने बताया कि इस पड़ाव पर आकर मां बनना ही एक ऐसी चीज़ है, जिसे वह अपनी जिंदगी में सबसे ऊपर देखती हैं। अपनी साथी-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत करते हुए आम्रपाली ने बताया कि कैसे लोगों की देखभाल करने की उनकी आदत अब उनके व्यक्तित्व का अभिन्न हिस्सा बन गई है, न कि यह केवल एक खेल की रणनीति है। लव गिल से बात करते हुए आम्रपाली ने स्पष्ट शब्दों में कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मैं जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है लेकिन नहीं यार यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है। उन्होंने अपनी भावनाओं को आगे बढ़ाते हुए कहा, बल्कि इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं। अभिनेत्री का कहना है कि लोगों के प्रति उनका केयर करने वाला नेचर उनके व्यक्तित्व का स्वाभाविक हिस्सा है, जिसे वे छिपा नहीं सकतीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह घर के अन्य सदस्यों जैसे यंग डीएससी, स्काउट ओपी और खुद लव गिल के प्रति भी एक मां की तरह सुरक्षात्मक महसूस करती हैं, क्योंकि वे उन्हें अपने बच्चों की तरह देखती हैं।



आम्रपाली ने अपनी भावनाओं को और अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, मैं दिखावा नहीं कर सकती हूं कि मुझे लोगों की परवाह है। फिर, चाहे वह स्काउट, यंग और तुम कोई भी मेरे साथ होगा मैं उसका ख्याल रखूंगी। उन्होंने आगे बताया, ये मेरा असली नेचर बन गया है और मुझे लगता है कि ये मेरी उम्र की वजह से है। मैं सच में अब उम्र के उस पड़ाव पर आ गई हूं, जहां मुझे बच्चे को पालना है। यह उनके जीवन के एक नए और महत्वपूर्ण अध्याय की ओर इशारा करता है, जिसे वे पूरे दिल से अपनाने के लिए तैयार दिख रही हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आम्रपाली ने मां बनने की अपनी इच्छा जाहिर की हो। इससे पहले भी, वह जियो सिनेमा/हॉटस्टार के चर्चित शो भोजपुरी बवाल में इस बारे में खुलकर बात कर चुकी हैं।

मास्टर प्लान-2047: कैचमेंट पर 6 हजार आपत्तियों से गरमाया माहौल

13,400 दावों पर 16 नवंबर से होगी सुनवाई

भोपाल, यशभारत। राजधानी के भविष्य को तय करने वाले भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर शहरवासियों की आपत्तियां और विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा जारी किए गए इस ड्राफ्ट पर अब तक कुल 13,400 दावे-आपत्तियां दर्ज कराई जा चुकी हैं। इन गंभीर आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के लिए अब 16 नवंबर से आधिकारिक सुनवाई शुरू होगी, जिसे लेकर विभाग ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है।



मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में सबसे बड़ा विवाद बड़े तालाब और अन्य जल स्रोतों के कैचमेंट एरिया को लेकर खड़ा हुआ है। इस मुद्दे पर अकेले 6 हजार से अधिक आपत्तियां सामने आई हैं। शहर के शहरी इलाकों के साथ-साथ नीलबड़, रातीबड़ और भौंरी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के रहवासियों ने भी जल स्रोतों के दायरे में आने वाले प्रतिबंधों पर कड़ी आपत्ति जताई है। जानकारों का मानना है कि सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सबसे संवेदनशील और मुख्य केंद्र रहेगा। ड्राफ्ट में आवासीय क्षेत्रों के भीतर व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दिए जाने के प्रावधान को लेकर भी रहवासियों में खासा रोष है। इस व्यवस्था के खिलाफ4 हजार से अधिक आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। लोगों का कहना है कि इससे रिहायशी इलाकों की शांति, ट्रैफिक व्यवस्था और बुनियादी सुविधाएं प्रभावित होंगी। इसके अलावा, डिजिटल माध्यम से भी 5 हजार से अधिक आपत्तियां ईमेल के जरिए प्राप्त हुई हैं, जो शहर के नागरिकों की इस योजना को लेकर गहरी चिंता को दर्शाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला, कानूनी लड़ाई तेज

मास्टर प्लान के इन विवादित प्रावधानों के खिलाफ शहर के रहवासी पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं, जहां मामला विचाराधीन है। इस कानूनी लड़ाई से जुड़े रहवासी विवेक त्रिपाठी का कहना है कि सुनवाई के दौरान वे अपना पक्ष पूरी मजबूती के साथ रखेंगे। साथ ही, क्षेत्र में हुए तमाम अवैध निर्माणों के दस्तावेज़ और तथ्य भी अदालत के सामने रखे जाएंगे, ताकि मास्टर प्लान के अंतिम स्वरूप पर मुहर लगने से पहले इन वास्तविक जमीनी हकीकत पर भी गंभीरता से विचार किया जा सके।

अब सुनवाई से तय होगी शहर की विकास दिशा

टीएंडसीपी द्वारा आज होने वाली बैठकों में इस पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। 16 नवंबर से शुरू होने वाली सुनवाई में आने वाले तर्क, विरोध के बिंदु और कानूनी पहलुओं के आधार पर ही यह तय होगा कि मास्टर प्लान के फाइनल ड्राफ्ट में क्या अहम बदलाव किए जाते हैं। बहरहाल, इन फैसलों पर पूरे भोपाल के रहवासियों की निगाहें टिकी हुई हैं।



गुनगा में शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद

टंकी से कूदा युवक, मौत

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के गुनगा थाना क्षेत्र में घरेलू कलह और आपसी कहासुनी के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ शराब पीने की आदत को लेकर परिवार में उपजे विवाद से क्षुब्ध होकर 20 वर्षीय युवक शंकर लाल अहिरवार ने गांव के समीप स्थित पानी की टंकी से छलांग लगा दी। परिजन और भाई की तमाम मिन्नतों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका, और अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी सांसे थम गईं।

जानकारी के अनुसार, शंकर के शराब पीने की बात को लेकर घर में परिजनों ने उसे समझाया और टोकना शुरू किया था। देखते ही देखते यह घरेलू कहासुनी बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में आकर शंकर घर से निकला और सीधे गांव के पास बनी पानी की ऊंची पानी की टंकी पर जा चढ़ा। घटना की भनक लगते ही परिजन और उसका भाई आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। भाई ने टंकी पर ऊपर चढ़कर शंकर से नीचे उतरने के लिए तमाम मिन्नतें कीं और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह जिद पर अड़ा रहा। इससे पहले कि परिजन या अन्य लोग उसे सुरक्षित नीचे उतार पाते, उसने नीचे छलांग लगा दी। गुनगा थाना प्रभारी रिंकू सिंह जाटव ने बताया कि शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद और शराब पीने को लेकर हुई खींचतान के बाद यह खौफ्नाक कदम उठाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में मातम व शोक की लहर दौड़ गई है।

दीपावली छठ पर भोपाल मंडल से चलेंगी 24 विशेष ट्रेनें

भोपाल, रानी कमलापति, बीना, गुना और इटारसी स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाई, आरपीएफरखेगी निगरानी



भोपाल, यश भारत। दीपावली और छठ महापर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने 24 विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों से यात्रियों को देश के प्रमुख शहरों और धार्मिक स्थलों तक आने जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही नियमित ट्रेनों में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। रेलवे ने भोपाल रानी कमलापति बीना गुना और इटारसी सहित प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। आरपीएफऔर टिकट चेकिंग स्टाफप्लेटफॉर्म प्रवेश निकास द्वारों और स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी कर रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन भी चालू रखी गई हैं। इससे अनारक्षित टिकट आसानी से मिल सकेंगे।

स्वच्छता रैंकिंग में पिछड़ने के दावों पर गरमाई सियासत कांग्रेस ने निगम को घेरा

निगम परिसर में झाड़ू लगाकर जताया विरोध, महापौर और अधिकारियों पर लगाए लापरवाही के आरोप

भोपाल,यश भारत।

कभी स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी पहचान बनाने वाले भोपाल की स्वच्छता रैंकिंग को लेकर सियासत तेज हो गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में शहर की रैंकिंग गिरने के दावों के बीच कांग्रेस ने नगर निगम के खिलाफमोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव अमित शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों ने नगर निगम परिसर में झाड़ू लगाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने शहर की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए महापौर और निगम अधिकारियों पर लापरवाही तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि भोपाल की स्वच्छता पहचान को बनाए रखने में निगम नाकाम साबित हो रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था में सुधार शहर की बदहाल स्थिति पर जवाबदेही तय करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि शहर की स्वच्छता को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर को होगी आयोजित

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तारीख घोषित कर दी है। मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा का आयोजन 20 दिसंबर 2026 को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 11 बजे से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने 10 नवंबर 2026 को जारी विज्ञप्ति में परीक्षा तिथि की जानकारी दी है।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र प्रवेश व्यवस्था और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देशों का इंतजार है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा आयोजन से संबंधित विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को सलाह है कि परीक्षा से जुड़ी आधिकारिक जानकारी और आगामी दिशा निर्देशों के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर नजर रखें।

ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश छात्रवृत्ति का मुद्दा संसद-विधानसभा में गूंजेगा

भोपाल,यश भारत।



मध्य प्रदेश में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति की 14 लंबित सीटों को लेकर ओबीसी संगठनों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी की है। संगठनों ने दोनों मुद्दों को संसद और विधानसभा में उठाने की मांग की है। आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव मंडल ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात कर संसद में ओबीसी के अधिकारों का मुद्दा उठाने का आग्रह किया जाएगा। युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुर्जर ने आरक्षण से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की। ओबीसी महासभा के केपी कुरुमवंशी, कमलेन्द्र पटेल और रविन्द्र गुर्जर ने 14 लंबित छात्रवृत्ति सीटों पर नई रिक्तियां जारी करने से पहले निर्णय लेने की मांग की। वहीं जय मूवमेंट ओबीसी के संस्थापक लखपत गुर्जर ने चयन प्रक्रिया में कथित नियम बदलाव 25 प्रतिशत वेटेज और विद्यार्थियों से दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मांगें रखने और समाधान नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

भोपाल में तेंदुए का खौफ बागमुगालिया इकोलॉजिकल पार्क में शावक ने 16 साल के युवक पर किया हमला

भोपाल, यशभारत।



राजधानी के रिहायशी इलाकों में जंगली जानवरों की बढ़ती आवाजाही और लापरवाही एक बार फिर भारी पड़ती नजर आ रही है। बागमुगालिया स्थित इकोलॉजिकल पार्क में तेंदुए के एक शावक ने 16 साल के किशोर पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद से स्थानीय रहवासियों में भारी दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं कि लगातार मिल रही चेतावनियों के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए। घायल युवक का [एम्स में इलाज चल रहा है।

एक महीने से था मूवमेंट, फिर भी बरती गई लापरवाही- स्थानीय सूत्रों और वन विभाग की जानकारी के अनुसार, इस क्षेत्र में पिछले करीब एक महीने से तेंदुए की मौजूदगी की खबरें लगातार आ रही थीं। इस दौरान शावक और तेंदुए ने कई मवेशियों को भी अपना शिकार बनाया था, जिससे जंगल से सटे इन इलाकों में पहले से ही खौफका साया था। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर केवल औपचारिकताएं निभाई गईं और समय रहते स्थायी सुरक्षा उपाय या ट्रैपिंग के ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिसका नतीजा यह हुआ कि अब इंसानी जिंदगी पर सीधा खतरा मंडराने लगा है।

मॉर्निंग-ईवनिंग वॉक पर लगी रोक, वन विभाग ने शुरू की सर्चिंग

घटना के बाद हरकत में आए वन विभाग ने क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। एहतियात के तौर पर पार्क और आसपास के इलाकों में मॉर्निंग और इवनिंग वॉक पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। वन अमले ने इलाके में सर्चिंग अभियान तेज कर दिया है और लोगों से अकेले बाहर न निकलने तथा पूरी सतर्कता बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि, रहवासियों का कहना है कि जब तक तेंदुए या उसके शावक को सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में नहीं छोड़ा जाता, तब तक चैन से रहना मुश्किल है।

पार्किंग में खड़ी गामा तूफान गाड़ी में देर रात तोड़फोड़

पत्थर मारकर कांच, हेडलाइट और इंडिकेटर तोड़े, जतिन नामक युवक पर आरोप



भोपाल, यश भारत। गौतम नगर थाना क्षेत्र के फिरोज गांधी कॉम्प्लेक्स के पास पार्किंग में खड़ी गामा तूफान गाड़ी में देर रात तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। घटना में वाहन के कांच हेडलाइट और इंडिकेटर क्षतिग्रस्त कर दिए गए।इंद्रा सहायता नगर निवासी वाहन मालिक विजय अहिरवार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी गाड़ी पार्क की हुई थी इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने पत्थरों से हमला कर वाहन को नुकसान पहुंचाया। शिकायतकर्ता ने सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर जतिन नामक युवक पर तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद वाहन मालिक ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। फिलहाल गौतम नगर पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज सहित उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना की वास्तविकता और आरोपों की पुष्टि करने में जुटी है।

इज्तिमा को रोकने की साजिश बर्दाश्त नहीं : नायब शहर काज़ी

फर्जी पत्र वायरल करने वालों के खिलाफ होगी कानूनी कार्रवाई, 80 साल पुरानी परंपरा के मुताबिक पूरी शान से होगा इज्तिमा



भोपाल,यश भारत। आगामी आलमी तब्लीगी इज्तिमा को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित फर्जी पत्र को लेकर नायब शहर काज़ी भोपाल ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कज़ियात के आधिकारिक लेटरहेड का दुरुपयोग कर फर्जी दस्तावेज प्रसारित करने वालों की कड़ी निंदा की है। नायब शहर काज़ी ने कहा कि इज्तिमा को रोकने के उद्देश्य से इस तरह के फर्जी पत्र फैलाना एक निंदनीय प्रयास है। भोपाल पिछले 80 वर्षों से आलमी तब्लीगी इज्तिमा की मेजबानी करता आ रहा है और इस बार भी आयोजन पूरी शान और परंपरा के साथ होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले को गंभीरता से लिया गया है। फर्जी दस्तावेज तैयार करने और उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करने वालों के खिलाफपुलिस एवं संबंधित विभागों में कानूनी शिकायत दर्ज कराई जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी अपुष्ट पत्र या भ्रामक जानकारी पर भरोसा न करें।

जाटखेड़ी में देर रात मकान के गेट और बाइक में तोड़फोड़

भोपाल,यश भारत। मिसरोद थाना क्षेत्र के जाटखेड़ी स्थित संजय नगर में देर रात मकान के गेट और बाइक में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। पीड़ित डोलेश राव ने पुलिस को दी शिकायत में संबंधित लोगों पर तोड़फोड़ करने के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर मिसरोद पुलिस ने मामले में असंज्ञेय अपराध एनसीआर क्रमांक 0476/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि घटना देर रात की है, जिसमें मकान के गेट और बाइक को नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित द्वारा पुलिस को शिकायत के साथ संबंधित साक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए हैं। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल मामले में जांच जारी है और आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।



मप्र के पूर्व मुख्य सचिव और राज्य निर्वाचन आयुक्त आदित्य विजय सिंह का निधन

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त आदित्य विजय सिंह का बुधवार, 11 नवंबर को 83 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनके निधन से प्रशासनिक गलियारों, परिवार और शुभचिंतकों में गहरी शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 3 बजे भोपाल के सुभाष नगर विश्राम घाट स्थित विद्युत शवदाह गृह में किया जाएगा।



22 अक्टूबर 1943 को जन्मे एवी सिंह 1970 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी थे। वे अपनी उत्कृष्ट प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन और कार्यशैली के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। अपने लंबे और उल्लेखनीय करियर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारियां संभालीं। वे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल के दौरान प्रदेश के मुख्य सचिव रहे और उनका कार्यकाल मार्च 2002 से जनवरी 2004 तक रहा। उल्लेखनीय है कि उनके इसी मुख्य प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान दिसंबर 2003 में उमा भारती के नेतृत्व में प्रदेश में भाजपा सरकार का गठन हुआ था। मुख्य सचिव के रूप में अपनी सेवाएं देने से पहले एवी सिंह ग्वालियर और भोपाल जिलों के कलेक्टर के रूप में भी कार्य कर चुके थे। इसके अलावा, उन्होंने केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर भी अपनी सेवाएं दी थीं। मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्हें राज्य निर्वाचन आयुक्त जैसी महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके पुत्र धनंजय विजय सिंह ने उनके निधन की जानकारी दी है। उनके जाने से प्रशासनिक और राजनीतिक जगत में एक युग का अंत माना जा रहा है, और कई वरिष्ठ अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)